(1)

This question paper contains **4** printed pages.

Roll No. ____________

S. No. of Question Paper : 1135A

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose), DSC

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit, NEP UGCF

Semester : II

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 90

Instruction for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of the question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही उपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का अनुवाद कीजिए : 4 x 5 = 20
   Translate any **four** of the following:

(i) अयमेव चानास्वादितविषयरसस्य ते काल उपदेशस्य। कुसुमशरशरप्रहारजर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम् । अकारणञ्च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं चाविनयस्य। चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः, किं वा प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरीभवति वडवानलो वारिणा।

(ii) अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूल-दण्ड-कोषमण्डलमपि मुञ्चति भूभुजम्। लतेव विटपकानध्यारोहति । गङ्गेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुद्बुदचञ्चला, दिवसकरगतिरिव

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

प्रकटितविविध-संक्रान्तिः । पातालगुहेव तमोबहुला । हिडिम्बेव भीमसाहसैकहार्य्यहृदया। प्रावृडिवाचिरद्युतिकारिणी ।

(iii) देव, दैवानुग्रहेण यदि कश्चिद् भाजनं भवति विभूतेस्तमकस्मादुच्चावचैरुपप्रलोभनैः <u>कदर्थयन्तः</u> स्वार्थं साधयन्ति धूर्ताः । तथाहि । केचित्प्रेत्य किल लभ्यैरभ्युदयातिशयैराशामुत्पाद्य <u>मुण्डयित्वा</u> शिरो बद्ध्वा दर्भरज्जुभिरजिनेनाच्छाद्य नवनीतेनोपलिप्यानशनं च शाययित्वा सर्वस्वं स्वीकरिष्यन्ति । तेभ्योऽपि घोरतराः पाषण्डिनः पुत्रदारशरीरजीवितान्यपि मोचयन्ति ।

(iv) येऽप्युपदिशन्ति- 'एवमिन्द्रियाणि जेतव्यानि, एवमरिषड्वर्गस्त्याज्यः, सामादिरुपाय- वर्गः स्वेषु परेषु चाजस्रं <u>प्रयोज्यः</u>, सन्धिविग्रहचिन्तयैव नेयः कालः, स्वल्पोपि सुखस्यावकाशो न देयः' इति, तैरप्येभिर्मन्त्रिवकर्युष्मत्तश्चौर्यार्जितं धनं दासीगृहेष्वेव भुज्यते । के चैते वराकाः । येऽपि मन्त्रकर्कशास्तन्त्रकर्त्तारः शुक्राङ्गिरसविशालाक्षबाहुदन्तिपुत्रपराशर- प्रभृतयस्तैः किमरिषड्वर्गो जितः कृतं वा <u>तैः</u> शास्त्रानुष्ठानम् ।

(v) यावदेष ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जमुद्धूय <u>कुसुमकोरकान</u>वचिनोतिः तावत् तस्यैव सतीर्थोऽपरस्तत्समानवयाः कस्तूरिका-रेणु-रुषित इव श्यामः, चन्दनचर्चित-भालः, कर्पूरागुरु-क्षोदच्छुरित-वक्षो-बाहु-दण्डः, [illegible] निद्रा-मन्थराणि कोरकनिकुरम्बकान्तरालसुप्तानि मिलिन्द-वृन्दानि झटिति समुपसृत्य निवारयन् गौरबटुमेवमवादीत् ।

(vi) तस्मिन् पूज्यमाने, "योगिराडुत्थित" इति "आयात", इति च आकर्ण्य कर्णपरम्पराया बहवो <u>जनाः</u> परितः स्थिताः । सुघटितं शरीरम् सान्द्रां जटाम्, विशालान्यंगानि, अङ्गारप्रतिमे नयने, मधुरां गम्भीराञ्च वाचं वर्णयन्तश्चकिता इव सञ्जाताः ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2x6=12)

Explain any **two** of the following with reference to the context:

(i) भवादृशा एव <u>भवन्ति</u> भाजनानि उपदेशानाम् । अपगतमले हि <u>मनसि</u> स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो <u>विशन्ति</u> <u>सुखेन</u> उपदेशगुणाः । गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य। इतरस्य तु, करिण इव

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरमुपजनयति । **हरति** अतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव।

(ii) एतदाकर्ण्य 'स्थान एव गुरुभिरनुशिष्टम्। तथा **क्रियते'** इत्यन्तः पुरमविशत्। तां च वार्तां पार्थिवेन प्रमदासंनिधौ प्रसङ्गेनोदीरिता**मुपनिशम्य** समीपोपविष्टश्चिन्ताकुलवृत्तिकुशलः, प्रसादवित्तो गीतनृत्यवाद्यादिष्वबाह्यो बाह्यनारीपरायणः, पटुरयन्त्रितमुखो, बहुभङ्गिविशारदः, परमर्मान्वेषणपरः, परिहासयिता, परिवादरुचिः, पैशुन्यपण्डितः, सचिवमण्डलादप्युत्कोचहारी, सकलदुर्नयोपाध्यायः, कामतन्त्रकर्णधारः, कुमारसेवको विहारभद्रो नाम स्मितपूर्वं व्यज्ञापयत् ।

(iii) अथ सोऽप्याचचक्षे-'देव' मयापि परिभ्रमता विध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित् कूपाभ्याशेऽष्टवर्षदेशीयो दृष्टः । स च त्रासगद्गदमगदत्- 'महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य! साहाय्यकम् । अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः **पतितः** ।

(iv) अहो ! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान् पुण्यमयः समयोऽतिवातिः, सन्ध्योपासन-समयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि अवचिनोमि कुसुमानि" इति चिन्तयन् कदलीदलमेकमाकुञ्च्य, तृणशकलैः सन्धाय, पुटकं **विधाय**, पुष्पावचयं क कर्त्तुमारेभे ।

3. शुकनासोपदेश में चित्रित लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए । 11
Explain the nature of Lakshmi on the basis of *Shuknasopadesha*.

अथवा / OR

'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
Critically examine the statement- 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'.

4. ऐतिहासिक गद्यकाव्य के रूप में शिवराजविजयम् की समीक्षा कीजिए । 11
Give review on *Shivarajavijayam* as a historical prose literature.

अथवा / OR

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

शिवराजविजयम् के आधार पर ब्रह्मचारी गुरु की कुटिया के मनोरम दृश्य का वर्णन कीजिए।

Describe the panoramic view of Brahmachari Guru's hut on the basis *Shivarajavijayam*

5. विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या अपने शब्दों में वर्णित कीजिए। 11

Explain the daily activities of kings according to *Vishruitcharitam*.

अथवा / OR

'दण्डिनः पदलालित्यम्' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

Critically examine the statement- 'दण्डिनः पदलालित्यम्' with examples.

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 के किन्हीं पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)
Write grammatical note on any five of the underlined words in question 1 and 2.

7. संस्कृत गद्यकाव्य की विकास यात्रा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। 10
Write a detailed essay on the development of Sanskrit Prose Literature.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

Write notes on any **two** of the following:

हर्षचरित, पुरुषपरीक्षा, पञ्चतन्त्र, कादम्बरी

Harshcharit, Purushpariksha, Panchtantra, Kadambari

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक **संस्कृत** में होनी चाहिए: (2×5=10)

Write notes on any **two** of the following, one of which should be in **Sanskrit**:

योगिराज, मृगतृष्णा, षड्गुण, चन्द्रापीड, क्षीरसागर।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 1591 **L**

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit (May-June 2026) – DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. वाल्मीकि रामायण के अयोध्याकाण्ड (सर्ग 109) में राम और जाबालि के मध्य हुए संवाद का सारांश लिखिए तथा इसके दार्शनिक महत्त्व की व्याख्या कीजिए। 18

Write a summary of the dialogue between Ram and Jabali in Ayodhya Kanda (Canto 109) of Valmiki Ramayana and explain its philosophical significance.

अथवा/Or

"रामायण भारतीय मूल्यों का स्रोत ग्रंथ है।" एक 'आदर्श राजा' और 'आदर्श परिवार' की अवधारणाओं के संदर्भ में इस कथन की चर्चा कीजिए।

"Ramayana is the source book for Indian values." Discuss this statement with reference to the concepts of an 'Ideal King' and 'Ideal Family.

2. रामायण के सर्ग 109 में जाबालि के नास्तिक तर्कों के राम द्वारा किए गए खंडन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 18

Critically examine Rama's refutation of Jabali's atheistic arguments (*Nastika-vada*) in Sarga 109 of Ramayana.

अथवा/Or

श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर आत्मा की अमरता को सिद्ध कीजिए।

Establish the immortality of soul on the basis of the second chapter of the Bhagavad Gita.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: 2× 6 = 12

Translate any **two** of the following:

क) उद्विजन्ते यथा सर्पान्नरादनृतवादिनः।

धर्मस्सत्यं परो लोके मूलं स्वर्गस्य चोच्यते।।

ख) कुलीनमकुलीनं वा वीरं पुरुषमानिनम् ।

चारित्रमेव व्याख्याति शुचिं वा यदि वाऽशुचिम् ।।

ग) अविनाशि तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं ततम्।

विनाशमव्ययस्यास्य न कश्चित् कर्तुमर्हति।

घ) न त्वेवाहं जातु नासं न त्वं नेमे जनाधिपाः।

न चैव न भविष्यामः सर्वे वयमतः परम्।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2×9 = 18

Explain with reference to the context of any **two** of the following:

क) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ।।

ख) निर्मर्यादास्तु पुरुषःपापाचारसमन्वितः।
मानं न लभते सत्सु भिन्नचारित्रदर्शनः।।

ग) सत्यमेवेश्वरो लोके सत्यं पद्माश्रिता सदा।
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ।।

घ) न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3×8 = 24

Write short notes on any **three** of the following:

क) अध्यात्म रामायण (Adhyatma Ramayana)

ख) राम का आदर्श चरित्र (Ideal Character of Rama)

ग) गीता में आत्मा का स्वरूप (Nature of *Atman* in the Gita)

घ) गीतिकाव्य पर महाकाव्यों का प्रभाव (Influence of Epics on Lyric Poetry)

ङ) सत्य पर जाबालि के विचार (Jabali's view on Truth)

च) नैतिक मूल्यों के विश्वकोश के रूप में महाभारत (Mahabharata as a *'Vishvakosa'* of moral values)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 1620 **L**

Unique Paper Code : 2132101203

Name of the Paper : Critical Survey of Śāstric Literature

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit, NEP UGCF 2022**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश/Instructions for candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

   Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत हिन्दी अथवा अंग्रेजी,** किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

   Answers may be written in **Sanskrit, Hindi** *or* **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

   Answer any **five** questions. All question carry equal marks.

1. "भरत मुनि का "नाट्यशास्त्र" भारतीय प्रस्तुत्य कलाओं का विश्वकोश है।इस कथन की पुष्टि "

   कीजिए।

   "Bharata's Nāṭyaśāstra is an encyclopedia of Indian performing arts." Justify this statement.

2. चिकित्साशास्त्र के विकास में विभिन्न आचार्यों के योगदान का विश्लेषण कीजिए

   Analyze contributions of various scholars to medical science.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

3. भारतीय ज्ञानपरम्परा में आयुधविज्ञान एवं विमानशास्त्र का क्या योगदान है? इसके प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन करें।

What is the contribution of Ayudhavijyan Vimānaśāstra (Aeronautics) in the Indian Knowledge Tradition? Describe its major theories.

4. प्राचीन भारत के वनस्पतिशास्त्र और पौधों के वर्गीकरण में योगदान का वर्णन (वृक्षायुर्वेद) कीजिए।

Describe the contribution of Ancient India to Botany (Vṛkṣāyurveda) and the classification of plants.

5. भारतीयज्ञान परंपरा के आलोक में छन्दशास्त्र एवं निरुक्तशास्त्र का क्या महत्व है? वर्णन करें।

"In the light of the Indian Knowledge System, what is the significance of Chhandashastra (Prosody) and Niruktashastra (Etymology)? Describe."

6. संस्कृत व्याकरण शास्त्र के इतिहास का विस्तार से वर्णन करते हुए किन्ही तीन प्रसिद्ध ग्रन्थों का परिचय दीजिए।
"Describing the history of Sanskrit Grammar (Vyakarana Shastra) in detail, introduce any three famous texts."

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following:

(क) चित्रकला : Painting
(ख) कोशशास्त्र : Kośaśāstra
(ग) मूर्तिकला : Murtikala
(घ) संगीतशास्त्र : Music

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 1167 **L**

Unique Paper Code : 2132102401

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अधोलिखित श्लोक में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: (15)

Translate any **two** of the following verses:

(क) ग्रन्था न यस्यां लिपिपत्ररूपास्ते ह्यत्र विज्ञानमया हि कोषाः।
ग्रन्थालयान्तकि तेन यस्यां स्वयं प्रकाशा विबुधा न गेहाः।।

(ख) वैदेशिकानां क्षपणाय भूमीभृतां सितानां पिशिताशनानाम्।
या निर्मिता विश्वसृजा प्रयत्नात् सौदामनीव द्युतलात् पतन्ती ॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

(ग) अज्ञानभस्मावरणानि धूत्वा नमः स्थिरां चेतयत स्फुलिङ्गान्।
उद्दीपित-स्वत्व-कृशानुनाऽऽशु भस्मीकुरुध्वं दृढरूढरूढीः।।

(घ) 'आत्माऽऽत्मनैवोद्धरणीय' एतद् गीता-वचोऽस्माभिरनुश्रियेत ।
निजोन्नतेः साधनमेकमेव स्वेनैव चात्मोद्धरणं विधेयम् ॥

2. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य के कथाशिल्प का वैशिष्ट्य बताइए। 10

Describe the distinctive features of the kathā-śilpa of the Epic Svātantrya-Sambhavam.

अथवा/Or

'भीमायनम्' महाकाव्य के सामाजिक सन्देश का विवेचन कीजिए।

Discuss the social message of the Bhīmāyanam mahākāvya.

3. 'शार्दूलशटकम्' प्रकरण की वर्तमानकालिक सामाजिक प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए। 10

Discuss the contemporary social relevance of the Śārdūlaśatakam.

अथवा/Or

'शतपर्विका' कथा की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the story Śataparvikā.

4. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of any **two** of following:

(क) कासज्वरपीडितो रामलालो न दिवा सुखलेशमवाप्नोति न वा नक्तम्। रोगजर्जरोऽसौ वयःसन्धिमपि नानुभूतवान्। कदा चन्द्रतलमसृणं कपोलमण्डलं शिलीन्ध्राङ्कुरसन्निभरोमराजिभिः शवलितं कदा च पुष्पितकाशवनिकेव तच्छविः सिताऽसिता जातेति सर्वमेव रामलालस्या-गोचरीभूतम्। चत्वारिंशद्वर्षमिते जीवनकाले सः केवलं घटनात्रय-मनुस्मरति। भाग्यवत्या सह स्वकीयं पाणिग्रहणम्

(ख) सौभाग्यवति ! शतपर्विका इव मे तनूजाः। यथा हरितवर्णा शतपर्विका गृहद्वारसुषमां संवर्धयति, शयने तूलास्तरणसाम्यं दधती सौख्यं जनयति, स्वनवनवाङ्कुरैः पशुपक्षिणः प्रीणयति, आत्मा-रामतयाऽपोसिताऽपि अनभिषिक्ताऽपि अरक्षिताऽपि स्वादृष्टबलेनैव पुनर्नवतामुपैति नित्यहरिता च संलक्ष्यते तथैव पुत्र्योऽपि मे वर्तन्ते। अद्य रमया यादृशी सेवा कृता तेन मोहान्धकारो मे व्यपगतः।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ग) सुलभाः पुरुषा लोके विद्वांसः प्रेमिकास्तथा।
स्निह्यति वित्तहीनेषु यो ज्ञानी स सुदुर्लभः॥

(घ) विजयो लभ्यतेऽस्माभिः कुत्रापि वा पराजयः।
दैवायत्ता जयप्राप्तिर्मदायत्तस्तु सत्पथ॥

5. अर्वाचीन संस्कृत कविता में पं. जानकीवल्लभ शास्त्री एवं पण्डिता क्षमाराव के साहित्यिक अवदान का मूल्यांकन कीजिए। (10)

Evaluate the literary contribution of Pandit Jānakīvallabha Shastri and Panditā Kṣamā Rao in modern Sanskrit poetry.

अथवा/Or

आधुनिक संस्कृत साहित्य के किन्ही दो प्रमुख गीति-काव्यों एवं दो रूपकों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Present an introduction to any two major gīti-kāvyas and two dramas (rūpakas) of modern Sanskrit literature.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिएः (10)

Translate any **two** of the following:

(क) निन्दां नीतिविदां पुरः कस्यचिदपि न विधेहि।
यदपि निन्दनीयो भवेदिह सन्ततमवधेहि॥

(ख) इमा लहर्यो नैव स्युर्नावर्ता एते भवेयु:
मन: प्रगुणयाम्यग्रे संकल्पं धारं धारम्
किं वा अत्र करिष्यति धारम् गन्तास्मि कदाचित् पारम् ।।

(ग) क्षीणदुग्धा विवत्सा बुभुक्षाकुलाः
साश्रुनेत्रा गवाशैर्विकृष्टा मुहुः।
गा नदन्तीः समुत्प्रेक्ष्य शृङ्गाटके
बन्धनच्छेदनैः को नु गोपायते॥

(घ) सेवां रचयन्तोऽपि कृन्त निःशङ्का के वा?
असिधारातुलितैव सखे! कष्टा परसेवा॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी कीजिए: (20)

Write short notes on any **four** of the following.

(क) हाइकु कविता (Haiku Poetry)

(ख) धीवरगीतिः (Dhīvaragīti)

(ग) ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते। (Brūhi Ko'smin Yuge Kālidāsāyate)

(घ) परमानन्द शास्त्री (Svātantrya-Sambhavam)

(ङ) रामकरण शर्मा (Ramkaran Sharma)

(च) कमला रत्नम् (Kamla Ratnam)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1296 **L**

Unique Paper Code : 2133102006

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, DSE – NEP (UGCF)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** Questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×15= 45

   Answer any **Three** of the following questions:

   (क) वर्तमान समय में श्रीमद्भगवद्गीता की महत्ता पर निबन्ध लिखिए।

   Write an essay on the importance of Śrīmad Bhagavad Gītā in the present times.

   (ख) संतुलित जीवन जीने के लिए गीता में वर्णित कर्म योग की महत्ता का प्रतिपादन कीजिए।

   Explain the importance of Karma yoga described in the Gītā for leading a balanced life.

   (ग) "विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्" बृहदारण्यकोपनिषद् के इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

   Explain this line 'vijñānenedaṁ sarvaṁ viditam' of Bṛhadāraṇyakopaniṣad.

   (घ) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए अष्टांग योग की व्याख्या कीजिए।

   Describe Aṣṭāṅga Yoga by explaining the term 'Yoga'.

   (ङ) चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का सविस्तर वर्णन कीजिए।

   Describe in detail the measures for control of cittavṛtti.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पद्यांशों का अनुवाद कीजिए: 5×5 = 25

   Translate any **Five** of the following stanzas:

   (क) यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
   यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्।।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा/ Or

मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।
आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत ।।

(ख) ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते।
श्रद्दधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः।।

अथवा/ Or

अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते।
तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम् ।।

(ग) न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।
कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः ।।

अथवा/ Or

कर्म ब्रह्मोद्भवं विद्धि ब्रह्माक्षरसमुद्भवम्।
तस्मात्सर्वगतं ब्रह्म नित्यं यज्ञे प्रतिष्ठितम्।।

(घ) शनैः शनैरुपरमेद् बुद्ध्या धृतिगृहीतया।
आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किञ्चिदपि चिन्तयेत्।।

अथवा/ Or

यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्।।

(ङ) य एवं वेत्ति पुरुषं प्रकृतिं च गुणैः सह।
सर्वथा वर्तमानोऽपि न स भूयोऽभिजायते।।

अथवा/ Or

अनादित्वान्निर्गुणत्वात् परमात्मायमव्ययः।
शरीरस्थोऽपि कौन्तेय न करोति न लिप्यते।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: $2 \times 7.5 = 15$
Explain any **Two** of the following:
(क) मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां भावनातश्चित्तप्रसादनम् ।।
(ख) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः।
(ग) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकार संज्ञा वैराग्यम्।
(घ) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर **संस्कृत** में टिप्पणी लिखिए। 5
Write a short note on any **one** of the following in **Sanskrit**:
(क) चित्तनिरोध। (cittanirodha)
(ख) समाधि। (samādhi)
(ग) ध्यानयोग । (dhyānayoga)

(500)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(2)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1334 **L**

Unique Paper Code : 2132102402

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit**

Semester : IV DSC (UGCF)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×18=54

Answer **any three** questions out of the following

(i) विश्व साहित्य की संकल्पना का वर्णन कीजिए ।

Describe the concept of world literature.

(ii) दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में उपनिषदों व सूफीवाद के संबंध की विवेचना कीजिए।

Discuss the relation between the Upanishads and Sufism in the context of Dara Shikoh's translation of the Upanishads.

(iii) वेदांत दर्शन का वैश्विक प्रभाव स्पष्ट कीजिए।

Explain the global impact of Vedanta Philosophy

(iv) विश्व साहित्य को पंचतंत्र की देन पर निबंध लिखिए।

Write an essay on the contribution of the Panchatantra to world literature.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(v) महाकवि कालिदास कृत "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" का यूरोपीय साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।
Discuss in detail the influence of Kalidasa's "Abhigyanshakuntalam" on European Literature.

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3× 6= 18

Write short notes on **any three** of the following:

(i) दक्षिण-पूर्व एशिया में महाभारत
(The Mahabharata in Southeast Asia.)

(ii) स्वच्छंदतावाद
(Romanticism)

(iii) संयुक्त राज्य अमेरिका में संस्कृत-अध्ययन की परम्परा
(Tradition of Sanskrit Studies in United States of America.)

(iv) दक्षिण-पूर्व एशिया में रामायण
(The Ramayana in Southeast Asia.)

(v) चीन एवं जापान में संस्कृत अध्ययन की परम्परा
(Tradition of Sanskrit Studies in China and Japan)

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर **संस्कृत** में टिप्पणी लिखिए: 8

Write a note in **Sanskrit** on any **one** of the following:

(i) उपनिषद्
(Upanishad)

(ii) यूरोप में संस्कृत अध्ययन की परम्परा
(Tradition of Sanskrit Studies in Europe.)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** शब्दों के तीन भारोपीय भाषाओं के समतुल्य शब्द लिखिए: 4×2.5=10
Write the equivalents in three Indo-European languages for any **four** of the following words:

दुहिता (Duhita) , सूर्य (Surya) , अहम् (Aham) , द्वार (Dvara) , हृदय (Hridaya) , द्रुम (Druma)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(2)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : **1564** **L**

Unique Paper Code : 2132102403

Name of the Paper : Indian Epigraphy II

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit**

Semester : IV (DSC) NEP (UGCF)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for candidates/ छात्रों के लिए निर्देश:

A. इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

B. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

C. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Answer All Questions.

भाग 'क' / Part-A

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3x18=54

Answer any **Three** questions of the following:

1. रूद्रदामन के गिरनार अभिलेख का साहित्यिक महत्व विस्तारपूर्वक लिखिए।
Write in detail about the literary significance of Rudradaman's Girnar inscription.

2. कोटला के विग्रहराज अभिलेख का ऐतिहासिक और साहित्यिक महत्व लिखिए।
Write about the historical and literary significance of the Vigraharaja Inscription of Kotla.

3. ऐतिहासिक स्रोत सामग्री के रूप में अभिलेखों की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
Highlight the role of inscriptions as historical source material.

4. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं समाज को जानने में अभिलेखों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
Elucidate the role of inscriptions in understanding ancient Indian culture and society.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

5. प्राचीन भारतीय अभिलेखों में प्रतिपादित काल-गणना की समीक्षा कीजिए।
Examine the dating system expounded in ancient Indian inscriptions.

भाग 'ख' / Part-B

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: 2x9=18

Translate any **Two** of the following:

(i) यस्योद्वर्तयतः प्रतीपमुरसा शत्रून् समेत्यागतान् वङ्गेष्वाहववर्तिनोऽभिलिखिता खड्गेन कीर्तिर्भुजे।
तीर्त्वा सप्तमुखानि येन समरे सिन्धोर्जिता वाह्निका यस्याद्याप्यधिवास्यते जलनिधिर्वीर्यानिलैर्दक्षिणः ॥

(ii) जयति भगवान्जिनेन्द्रो वीतज रामरणजन्मनो यस्य ज्ञान- समुद्रान्तर्गत मलिखञ्जगदन्तरीपमिव। तदनु
चिरमपरि मे यम्चलुक्यकुलविपुलजलनिधिर्जयति ॥ पृथिवीमौलिलिलाम्नां यः प्रभवः पुरुषरत्नानाम् ।। शूरे
विदुषि च विभजन्दानम्मानञ्च युगपदेकत्र ॥

(iii) ओं ।। संवत् 1220 वैशाख 15 शाकम्भरी भूपति श्रीमदावेल्लदेवात्मज श्रीमद्वीसलदेवस्य ॥
ओं अम्भो नाम रिपु प्रिया नयनयोः प्रत्यर्थि दन्तान्तरे प्रत्यक्षाणि तृणानि वैभव मिलत्काष्ठं यशस्तावकम् ।
मार्गो लोक विरूद्ध एव विजनः शून्यं मनो विद्विषां श्रीमद्विग्रहराजदेव भवतः प्राप्ते प्रयाणोत्सवे ॥

भाग 'ग' / Part-C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2x9=18
Write notes on any **Two** of the following:

(i) देहली टोपरा प्रथम स्तम्भ अभिलेख।
First Pillar Edict Delhi Topra.

(ii) समुद्रगुप्त का नालन्दा ताम्रलेख।
Nalanda Copper Inscription of Samudragupt.

(iii) अशोक का मास्की शिलालेख।
Maski Rock Inscription of Ashoka.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(8)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No................

L

Sr. No. of Question Paper : 1053

Unique Paper Code : 2132103601

Name of the Paper : Vedic Samhita and Grammar, DSC-16

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में किन्हीं तीन मन्त्रों की व्याख्या कीजिए: 3×6=18

Explain any **three** of the following mantras:

(क) न मां मिमेथ न जिहीळ एषा शिवा सखिभ्य उत मह्यमासीत् ।

अक्षस्याहमेकपरस्य हेतोरनुव्रतामप जायामरोधम् ॥

(ख) हिरण्यगर्भः समवर्त्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

(ग) असंबाधं बध्यतो मानवानां यस्या उद्वतः प्रवतः समं बहु ।

नानावीर्या ओषधीर्या बिभर्ति पृथिवी नः प्रथतां राध्यतां नः ॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

(घ) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति।

दूरङ्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥

(ङ) मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन्मा स्वसारमुत स्वसा ।

सम्यञ्चः सव्रता भूत्वा वाचं वदत भद्रया ॥

(च) युञ्जन्ति ब्रध्नमरुषं चरन्तं परि तस्थुषः। रोचन्ते रोचना दिवि ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2×9=18

Explain any **two** of the following mantras with reference to context:

(क) यस्यां पूर्वे पूर्वजना विचक्रिरे यस्यां देवा असुरानभ्यवर्तयन् ।

गवामश्वानां वयसश्च विष्ठा भगं वर्चः पृथिवी नो दधातु ॥

(ख) अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहु मन्यमानः।

तत्र गावः कितव तत्र जाया तन्मे वि चष्टे सवितायमर्यः ॥

(ग) यः प्राणतो निमिषतो महित्वैक इद्राजा जगतो बभूव ।

य ईशे अस्य द्विपदश्चतुष्पदः कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

(घ) अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्तिवाम् ॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** मन्त्र की **संस्कृत** में सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 9

Explain any **one** of the following mantras in **Sanskrit** with reference to context:

(क) प्रावेपा मा बृहतो मादयन्ति प्रवातेजा इरिणे वर्वृतानाः ।

सोमस्येव मौजवतस्य भक्षो विभीदको जागृविर्मह्यमच्छान् ॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा/Or

(ख) सहृदयं सांमनुस्यमविद्वेषं कृणोमि वः।

अन्यो अन्यमुभि हर्यत वृत्सं जातमिवाघ्न्या ॥

4. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से किसी एक प्रश्न को चुनते हुए, किन्हीं **दो** प्रश्नों का विस्तृत उत्तर दीजिए। 2×18=36

Answer any **two** of the following questions in detail, selecting any one from the each section:

खण्ड अ

(क) शिवसंकल्प सूक्त के आधार पर '*मन*' की विभिन्न अवस्थाओं की विवेचना कीजिए।

Discuss the various states of the '*Mana*' based on the 'Shivasankalpa Sūkta'.

अथवा/Or

सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ बनाने में सांमनस्यम् सूक्त की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

Discuss the relevance of the 'Sammanasyam Sukta' in strengthening the social order.

अथवा/Or

भूमि सूक्त के अनुसार पृथिवी के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature of the Earth according to the 'Bhumi Sukta'.

खण्ड ब

(ख) महर्षि अरविन्द के अनुसार वैदिक देवताओं के मनोवैज्ञानिक स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Analyze the psychological interpretation of Vedic Deities according to Maharshi Aurobindo.

अथवा/Or

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

वेदों की वैज्ञानिक भाषापद्धति पर महर्षि अरविन्द के विचारों की विश्लेषण कीजिए।

Analyze Maharshi Aurobindo's views on scientific Linguistic methodology of the Vedas.

5. निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2×4.5=9

Write short notes on any **two** of the following:

(क) पदपाठ के नियम (Rules of *Padapatha*)

अथवा/Or

स्वरित के विभिन्न प्रकार (Different types of '*Svarita*')

(ख) क्त्वार्थक प्रत्यय (*Ktvarthaka* Pratyaya)

अथवा/Or

तुमर्थक प्रत्यय (*Tumarthaka* Pratyaya)

अथवा/Or

प्रश्नसंख्या 1 अथवा 2 में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ लिखिए।

Write *Padapatha* of one Mantra from question 1 or 2.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(1)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1079 **L**

Unique Paper Code : 2132103602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication -DSC

Name of the Course : **B. A. (Hons) Sanskrit, NEP UGCF-2022**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश/Instructions for candidates:

1. इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
   Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
   Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
   Answer all questions.

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बधी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 5

   Explain with examples the rules of चतुर्थी विभक्ति.

   अथवा / Or

   कर्म और अपादान कारकों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

   Description with example कर्म and अपादान karka.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** वाक्यों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए: 5×2=10

   Explain the reason of the case ending in any **five** sentences:

   (क) स: तण्डुलान् ओदनं पचति।

   (ख) लक्ष्म्या हरि: सेव्यते।

   (ग) नरा: पादाभ्याम् गच्छन्ति।

   (घ) बालक: अश्वात् पतति।

   (ङ) इन्द्राय स्वाहा।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(च) मोहन: <u>फलं</u> खादति।

(छ) सिंह: <u>वने</u> वसति।

(ज) <u>इन्द्राय</u> वषट्।

(झ) सा <u>निर्धनाय</u> धनं ददाति।

(ञ) बालक: <u>दुग्धं</u> पिबति।

3. क्त और क्तवतु प्रत्ययों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 5

Explain with example क्त and क्तवतु.

4. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें। 10

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए:

Change the voice in any **five** sentences of the following:

(क) स: गच्छति ।

(ख) तै पुस्तकानि पठ्यन्ते ।

(ग) ते विद्यालयं गच्छन्ति।

(घ) बालकेन हस्यते।

(ङ) वयं वेदं पठाम:।

(च) सा कथां पठति।

(छ) तेन ग्राम: गम्यते ।

(ज) त्वया पत्रं लिख्यते।

(झ) ते हसन्ति।

(ञ) त्वं कुत्र गच्छसि।

5. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं **पांच** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: 5

Fill up the blanks of any **five** of the following with suitable suffixes:

(क) बाला: फलं .... प्रसीदन्ति। (लभ्+शानच्)

(ख) सा पत्रं ....। (लिख्+क्तवतु)

(ग) जनेन ग्राम: ....। (गम्+क्त)

(घ) मोहन: भोजनं ....गच्छति। (खाद्+क्त्वा)

(ङ) त्वं वेदं .... इच्छसि। (पठ्+तुमुन्)

(च) छात्रा: गुरुं ....संस्कृतं पठन्ति। (प्र+नम् +ल्यप्)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(छ) मया रामायणं ....। (पठ्+तव्यत्)

(ज) ता: विद्यालयं .... पाठं पठन्ति। (गम्+शतृ)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए: 5
Correct any **five** sentences of the following:

(क) देवदत्त: गच्छसि।

(ख) स: ऋग्वेदं पठसि ।

(ग) ते पुस्तकालयं गच्छति ।

(घ) यूयं कुत्र दुग्धं पिबति ।

(ङ) सोमं स्वाहा ।

(च) शिवात् नमः।

(छ) त्वं हसथ ।

(ज) सा फलं खादसि।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** वाक्यों का **संस्कृत** भाषा में अनुवाद कीजिए: 5x2=10
Translate in **Sanskrit** Language any **five** sentences of the following:

(क) अभ्यास से निपुणता आती है।

(ख) तुम सब कहाँ जाते हो ।

(ग) वह पढ़ने के लिए पुस्तकालय जायेगा ।

(घ) बालिका जा रही है ।

(ङ) हम सब को व्याकरण पढना चाहिए।

(च) तुम गाँव कब जाओगे?

(छ) वह पिता के साथ कल गुरुकुल गया था।

(ज) हम सब एक ही संस्कृति के उपासक हैं।

(झ) यह देवदत्त की पुस्तक है ।

(ञ) वे विद्यालय जा रहीं हैं।

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए: 10
Translate any **one** of the following paragraphs into Hindi or into English:

एकं वनम् आसीत्। तस्मिन् वने एकः तडागः आसीत्। तत्र एकः कच्छपः, एकः मूषकः, एकः हरिणः च एकः काकः निवसन्ति स्म। ते सर्वे एकत्र सुखेन परस्परं मिलित्वा जीवन्ति स्म। एकदा सायङ्काले सर्वे मिलितवन्तः आसन् परन्तु तत्र हरिणः न आगतः आसीत्। हरिणः किमर्थं न आगतः इति तेषां चिन्ता अभवत्। तदा ते सर्वे परामर्शं कृत्वा तस्य हरिणस्य अन्वेषणाय काकः उड्डीय गतवान्। काकः गत्वा दृष्टवान् सः हरिणः एकस्मिन् पाशे बद्धः आसीत् इति। ततः काकः पुनः तडागस्य समीपम् आगत्य कथं तं हरिणं पाशात् मोक्षयिष्यामः इति कच्छपेन मूषकेण च सह परामर्शं कृत्वा मूषकः एव तत् कार्यं कर्तुं शक्ष्यति इति तैः निर्दिष्टः कृतः। सः मूषकः पाशं कर्तितुं शक्ष्यति इति निर्दिष्टं कृतवन्तः। इदानीं मूषकः पाशस्य समीपं कथं शीघ्रं गच्छेत् इति तेषां चिन्ता अभवत्। तदा काकः एकं उपायं विचिन्त्य मूषकं उक्तवान् हे मित्र! भवान् मम पृष्ठे उपविशतु, अहं भवन्तं उड्डीय तत्र नेष्यामि इति। मूषकः तथैव कृतवान्, काकः च तं तस्य पृष्ठे उपाविश्य उड्डीय तत्र गतवान्। तत्र गत्वा यस्मिन् पाशे हरिणः बद्धः आसीत् तं पाशं सः मूषकः तस्य

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

दन्तैः कर्तयित्वा तस्मै मुक्तिम् अददात्। व्याधस्य आगमनात् पूर्वं ते सर्वे ततः पुनः तडागस्य समीपं प्रत्यागतवन्तः आसन्।एवमेव ते सर्वे विपत्तिकाले परस्परं साहाय्यं कुर्वन्ति सुखेन जीवन्ति स्म इति।

अथवा/Or

कस्मिंश्चित् वने खरनखरः नाम सिंहः प्रतिवसति स्म। सः कदाचित् बुभुक्षया इतस्ततः भ्रमन् आसित्। परन्तु कमपि मृगं न प्राप्तवान्। ततः सूर्यास्तमनसमये पर्वते महतीं गुहां दृष्टवान्। तत्र गत्वा चिन्तितवान्। "अत्र कोऽपि मृगः रात्रौ निश्चयेन आगमिष्यति। अतः अहम् अत्रैव गुप्तः तिष्ठामि। ततः तस्याः गुहायाः निवासी दधिपुच्छः नाम शृगालः आगतवान्। सः गुहां प्रविष्टस्य सिंहस्य पदपद्धतिं दृष्टवान्, न तु बहिः आगतस्य। ततः चिन्तितवान्। "अहो ! किमिदम्? गुहायाः अन्तः सिंहः स्यात्। किं करोमि? कथं जानामि? एवं विचिन्त्य गुहायाः द्वारे स्थित्वा उच्चैः आहूतवान्। "अहो बिल ! अहो बिल ! कश्चित् कालं तूष्णीं भूत्वा पुनः तथैव उक्तवान्। "भोः ! किमर्थं न वदसि ? प्रतिदिनं यदा अहम् आगच्छामि तदा मया तव आह्वानं क्रियते। त्वया च मम उत्तरं दीयते। यदि मम उत्तरं न प्रयच्छसि, तर्हि अहम् अन्यबिलं गमिष्यामि। शृगालस्य वचनं श्रुत्वा सिंहः चिन्तितवान्। " नूनं यदा सः आगच्छति तदा एषा गुहा प्रतिदिनम् उत्तरं ददाति।अद्य तु मद्भयात् न वदति।

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** भाषा में निबन्ध लिखिए: 20
Write **an** essay on the following topics in **Sanskrit** language:
भरतीया संस्कृतिः, संस्कृतभाषाया महत्त्वम्, वेदानां महत्त्वम्,उपमा कलिदासस्य ।

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** भाषा में निबन्ध लिखिए: 10
Write **an** essay on the following topics in **Sanskrit** language:
जलवायुपरिवर्तनम्,संगणकस्य उपयोगिता , विश्वस्य ज्वलंतसमस्याः, आतङ्कवादः।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(18)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1105 **L**

Unique Paper Code : 2132103603

Name of the Paper : Poetics & Literary Criticism

Name of the Course : **B.A (H) Sanskrit DSC**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. at an appropriate place on receipt of this question paper.
2. Attempt any Five questions.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

1. संस्कृत काव्यशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास का वर्णन कीजिए। 18
Describe the origin and development of Sanskrit poetics.

2. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्यहेतु की व्याख्या कीजिए। 18
Explain the causes of poetry according to Mammatacharya.

3. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार महाकाव्य की विशेषताओं को लिखिए। 18
Write the characteristics of epics according to Acharya Vishwanath.

4. 'लक्षणा तेन षड्विधा' का विश्लेषण कीजिए। 18
Analyse 'लक्षणा तेन षड्विधा'.

5. काव्यशास्त्र की विविध संज्ञाओं पर प्रकाश डालिए। 18
Throw light on the various names of the poetics.

6. उत्पत्तिवाद की व्याख्या कीजिए। 18
Explain Utapattivad.

7. रस के विविध अवयवों पर टिप्पणी लिखिए। 18
Write note on various components of Rasa.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: 2×9=18
Write notes on any **two** of the following:

अ. अनुमितिवाद (Anumitivaad)
ब. कथा (Katha)
स. श्रीशंकुक (Shrishankuk)
द. अभिधावृत्ति (Abhidhavritti)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(11)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 1517 **L**

Unique Paper Code : 2133100016

Name of the Paper : Research Methodology for Sanskrit Studies

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (DSE)**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions. **All** questions carry equal marks.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. शोधकार्य के प्रमुख घटकों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए। 18

Explain in detail the prime components of research work.

अथवा/OR

शोध की विविध पद्धतियों पर टिप्पणी करें।

Write an essay on various research methodologies.

2. शोधकार्य में सर्वेक्षण के महत्त्व को सोदाहरण स्पष्ट करें। 18

Explicit with examples the importance of survey in research work.

अथवा/OR

शोध सर्वेक्षण की विभिन्न विधियों का वर्णन करें।

Describe various methods of research survey.

3. संदर्भ की विधियाँ एवं उनका महत्त्व बताएं। 18

Explain the methods of referencing and their importance.

अथवा/OR

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

शिकागो, एपीए और एमएलए उद्धरण शैली का विवरण दीजिए।
Provide details on the Chicago, APA and MLA citation styles.

4. निम्नलिखित पद्यों में से **किन्हीं तीन** का लिप्यंतरण रोमन में करें: (6x3=18)
Transliterate **any three** of the following into the Roman script:

(क) अयोध्या मथुरा माया काशी काञ्ची अवन्तिका।
पुरी द्वारावती चैव सप्तैताः मोक्षदायिकाः।।

(ख) श्रोत्रस्य श्रोत्रं मनसो मनो यद्वाचो ह वाचं स उ प्राणस्य प्राणः।
चक्षुषश्चक्षुरतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माल्लोकादमृता भवन्ति॥

(ग) अथैनामभिपद्यते- अमो'हमस्मि सा त्वम्, सा त्वमस्यमो'हम्, सामाहमस्मि ऋक्त्वम्, द्यौरहं पृथिवी त्वं; तावेहि संरभावहै, सह रेतो दधावहै पुंसे पुत्राय वित्तय इति॥

(घ) उपमा कालिदासस्य भारनेरर्थगौरवम्।
दण्डिनः पदलालित्यं माघे सन्ति त्रयो गुणाः।।

(ङ) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (6x3=18)
Write short notes on **any three** of the following:
(a) ई रिसोर्सेज (E Resources)
(b) डेटा संग्रह की कोई एक विधि (Any one method of data collection).
(c) अनुसंधान डिज़ाइन (Research Design)
(d) गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ (Qualitative Research Methods).
(e) सर्वेक्षण और प्रयोग के बीच अंतर (Differences between surveys and experiments).
(f) संस्कृत लिप्यंतरण की अंतर्राष्ट्रीय वर्णमाला (IAST)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(12)

[This question paper contains 2 printed pages.] Roll No.................

Sl. No. of Question Paper : 2601

Unique Paper Code : 2133102006

Name of the Paper : Art of Balanced Living, DSE

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Semester : VI

Duration : 3 Hours **Maximum Marks: 90**

छात्रों के लिए निर्देश/ Instructions for candidates:

(a) इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.

(b) इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत हिन्दी *अथवा* अंग्रेजी,** किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Answers may be written in **Sanskrit, Hindi *or* English**, but the same medium should be used throughout the paper.

(c) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt All questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3×15=45
Answer any **Three** of the following questions:

(i) पतंजलि योगसूत्र के आधार पर अष्टांगयोग पर प्रकाश डालिए।
Throw light on Ashtangayoga on the basis of Patanjali Yoga Sutra.

(ii) चित्तप्रसाधन के चार साधनों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।
Discuss in detail the four means of mind-propagation.

(iii) बृहदारण्यकोपनिषद् के अनुसार आत्मसाक्षात्कार हेतु श्रवण,मनन और निदिध्यासन की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the usefulness of hearing, contemplation and meditation for self-realization. According to Vedanta Sara.

(iv) भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार स्थितप्रज्ञ के लक्षणों का विस्तार पूर्वक उल्लेख कीजिए।
Describe in detail the characteristics of a Sthitaprajna (a person of steady wisdom), as outlined in the second chapter of the Bhagavad Gita.

(v) भगवद्गीता के बारहवें अध्याय के आधार पर सगुण और निर्गुण भक्ति के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Describe the characteristics of Saguna and Nirguna Bhakti based on the twelfth chapter of the Bhagavad Gita.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यों का अनुवाद कीजिए: 4×5=20
Translate any **Four** of the following stanzas:

(i) य एवं वेत्ति पुरुषं प्रकृतिं च गुणैः सह।
सर्वथा वर्तमानोऽपि न स भूयोऽभिजायते।।

(ii) अनादित्वान्निर्गुणत्वात् परमात्मायमव्ययः।
शरीरस्थोऽपि कौन्तेय न करोति न लिप्यते।।

(iii) न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।
कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः ।।

(iv) कर्म ब्रह्मोद्भवं विद्धि ब्रह्माक्षरसमुद्भवम्।
तस्मात्सर्वगतं ब्रह्म नित्यं यज्ञे प्रतिष्ठितम्।।

(v) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।
आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत ।।

(vi) न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।
कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः ।।

(vii) पिताहमस्य जगतो माता धाता पितामहः ।
वेद्यं पवित्रमोङ्कार ऋक्सामयजुरेव च ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2×7.5=15
Explain any **two** of the following in context:

(i) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।
nāsato vidyate bhāvo nābhāvo vidyate sataḥ

(ii) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः।
Ahiṁsāsatyāsteyabrahmacaryāparigrahā yamāḥ=

(iii) तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्।
Tatra pratyayaikatānatā dhyānam

(iv) कार्यकरणकर्तृत्वे हेतुः प्रकृतिरुच्यते । पुरुषः सुखदुःखानां भोक्तृत्वे हेतुरुच्यते ।।
Kāryakaraṇakartṛtve hetuḥ prakṛtirucyate. puruṣaḥ sukhaduḥkhānāṃ bhoktṛtve heturucyate

4. निम्नलिखित में से किसी **दो** पर में टिप्पणी लिखिए: 2×5=10
Write a short note on any **two** of the following:

(i) **वैराग्य / Vairāgya**

(ii) **क्रियायोग / Kriyā-yoga**

(iii) **यम / Yama (Restraints)**

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

50

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper	:	**1022**	**L**
Unique Paper Code	:	2132104801	
Name of the Paper	:	Vedanga Jyotisha And Scientific Heritage	
Name of the Course	:	**B.A. (Honours) Sanskrit – DSC**	
Semester	:	VIII	

Duration : 3 Hours — Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए: **8**

   Explain any **one** of the following:

   i. ज्योतिषामयनं पुण्यं प्रवक्ष्याम्यनुपूर्वशः।
   सम्मतं ब्राह्मणेन्द्राणां यज्ञकालार्थसिद्धये ।।

   ii. सोमसूर्यस्तृचरितं विद्वान् वेद विदश्नुते।
   सोमसूर्यस्तृचरितं लोकं लोके च सन्ततिम् ।।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **8**

   Explain any **one** of the following sutra with Example.

   i. निखिलं नवतश्चरमं दशतः

   ii. शून्यं साम्यसमुच्चये

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए : **20**

   Write short notes on any **four** of the following;

   i. दशमलव
   daśamalava

   ii. अंक
   aṃka

   iii. समीकरण
   samīkaraṇa

   iv. घन
   ghana

   v. ज्या
   jyā

   vi. कोण
   koṇa

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. फलित ज्योतिष में पंचाङ्ग के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 18
Explain the Importance of *phalita jyotiṣa in paṃcāṅga.*

अथवा/Or

आर्यभट्टीयम् का परिचय दीजिए एवं उसकी विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।
Give an Introduction of *āryabhaṭṭīyam* and describe its subject matter.

5. भारतीय गणित के उद्भव एवं विकास का वर्णन कीजिए। 18
Describe origin and development of Indian Mathematics.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:
Write short notes on any **three** of the following:

i. शुल्वसूत्र
Śulvasūtra

ii. वेदांग ज्योतिष
vedāṃga jyotiṣa

iii. पंचसिद्धान्तिका
paṃcasiddhāntikā

iv. ब्रह्मगुप्त
Brahmagupta

v. श्रीधर
Śrīdhara

vi. कमलाकर
kamalākara

6. प्राचीन यज्ञ एवं वेधशालाओं के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 18
Explain the Importance of Ancient *yajña* and *vedhaśālā.*

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:
Write short notes on any **three** of the following;

i. काशी वेधशाला
kāśī vedhaśālā

ii. जयपुर वेधशाला
jayapura vedhaśālā

iii. चक्रयन्त्र
Cakrayantra

iv. जन्तर-मन्तर, दिल्ली
jantara-mantara, Delhi

v. तारामण्डल
Planetarium

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(14)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 7101 **L**

Unique Paper Code : 2133100027

Name of the Paper : Indian and Western Poetics Criticism

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit – DSE**

Semester : VIII – NEP (UGCF) – 2020

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Answer any **five** of the following questions:

1. पाश्चात्य विचारकों की काव्य-संबंधी अवधारणा को वर्णित कीजिए। (18)
   Describe the poetic concepts of Western thinkers.

2. अरस्तु के विरेचन सिद्धांत को परिभाषित कीजिए। (18)
   Define Aristotle's theory of Catharsis.

3. आचार्य क्षेमेन्द्र के औचित्य सिद्धांत की समीक्षा कीजिए। (18)
   Review the justification theory of Acharya Kshemendra.

4. महाकाव्य के उद्भव और विकास पर निबंध लिखिए। (18)
   Write an essay on the origin and development of epic.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

5. कविप्रतिभा पर दण्डीय एवं सेमुअल टेलर कॉलरिज के विचारों को परिभाषित कीजिए। 18
Define the views of Dandin and Samuel Taylor Coleridge on poetic genius.

6. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजन को परिभाषित कीजिए। 18
Define the purpose of poetry according to Acharya Mammata.

7. भारतीय विचारधारा के अनुसार काव्य और नैतिकता को व्याख्यायित कीजिए। 18
Explain poetry and ethics in accordance with Indian thought.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: $2 \times 9 = 18$
Write comment on any **two** of the following:

i. नाटक
(Drama)

ii. कल्पना की अवधारणा
(The Concept of Imagination)

iii. होरेस का औचित्य सिद्धांत
(Horace's Theory of Auchitya)

iv. गीतिकाव्य
(Lyric Poetry)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

L

Sr. No. of Question Paper : 7776

Unique Paper Code : 2133100025

Name of the Paper : Ramayana- History, Structure and Various Recensions

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit – DSE**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए: 18

Explain the following:

रामायण एक उपजीव्य-काव्य है।

Rāmāyaṇa as an 'Upajivya Kāvya.'

अथवा/Or

रामायण भारतीय ज्ञान और नैतिक मूल्यों का स्त्रोत ग्रन्थ है।

"The Rāmāyaṇa is the source text of Indian knowledge and values."

2. वाल्मीकि रामायण की संरचना का विस्तार से वर्णन कीजिए। इसके सातों काण्डों की विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण विवरण दीजिए। 18

Describe the structure of the Vālmiki Rāmāyaṇa in detail. Provide a Summary of the subject of each of the seven Kandas.

अथवा/Or

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

वाल्मीकि रामायण के विभिन्न पाठभेदों (उत्तरी और दक्षिणी) का विश्लेषण कीजिए। पाण्डुलिपि परम्पराओं और पाठ्य विविधताओं के सन्दर्भ में वे किस प्रकार भिन्न हैं?

Analyze the different recensions (Northern and Southern) of the Vālmiki Rāmāyaṇa. How do they differ in terms of manuscript traditions and textual variations?

3. रामायण के रचनाकाल और भौगोलिक विस्तार की विवेचना कीजिए। 18

Discuss the date and geographical encompass of the Valmiki Rāmāyaṇa.

अथवा/Or

महाकाव्य के रूप में रामायण की मुलभूत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the fundamental characteristics of Rāmāyaṇa as a 'Mahakavya.'

4. दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में रामायण के विकास और प्रभाव की विवेचना कीजिए। 18

Discuss the development and influence of the Ramayana in South-East Asian countries.

अथवा/Or

अध्यात्म रामायण का महत्त्व बताते हुए वाल्मीकि रामायण से इसके अंतर को स्पष्ट कीजिए।

Discuss the relevance of Adhyātma Rāmāyaṇa and its distinction from the Vālmiki Rāmāyaṇa.

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3×6=18

Write brief notes on **any three** of the following:

a) रामकियेन (Rāmkien)

b) रामायण के प्रक्षिप्त अंश (Interpolation in Rāmāyaṇa)

c) अद्भुत रामायण (Adbhuta Rāmāyaṇa)

d) काकावीन (Kakawin)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(16)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

L

Sr. No. of Question Paper : 7777

Unique Paper Code : 2133100026

Name of the Paper : Philosophy of Language, DSE

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, NEP-UGCF-2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. भाषादर्शन की भारतीय परम्परा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए । 18
Describe origin and development of Indian philosophy of language.

अथवा / **Or**

पाणिनीय व्याकरण परम्परा में भाषा दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का प्रतिपादन कीजिए ।
Delineate the prominent theories of language philosophy as depicted in Paninian grammatical tradition.

2. भारतीय भाषा दर्शन के प्रमुख विचारों एवं सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए । 18
Describe the major thoughts and theories of Indian language philosophy.

अथवा / **Or**

भर्तृहरि द्वारा प्रतिपादित भाषा दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए ।
Describe the prominent theories of language philosophy propounded by Bhartrihari.

3. संस्कृत भाषा दर्शन परम्परा के विकास में नागेश भट्ट के योगदान का वर्णन कीजिए । 18
Explain the contribution of Nagesha Bhatta in the development of Sanskrit philosophy of language.

अथवा / **Or**

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

संस्कृत भाषा दर्शन परम्परा के किन्हीं तीन प्रमुख भाषा दार्शनिकों एवं उनके सिद्धान्तों का परिचय दीजिए।
Present an introduction of any **three** prominent Sanskrit language philosophers and their theories.

4. निम्नलिखित में से किसी **3** पर टिप्पणी लिखिए: 9 x 3 = 27

Write notes on any **three** of the following:

i) शिक्षा एवं प्रातिशाख्यों में ध्वनिविज्ञान Phonemics in Shiksha and Pratishakhyas,

ii) भाषादर्शन को यास्क का योगदान Contributions of Yaska to the philosophy of Language.

iii) जातिशक्तिवाद *Jatishaktivada*

iv) अभिहितान्वयवाद *Abhihitanvayavada*

v) संकेतग्रह *Sanketagraha*

vi) तात्पर्यार्थ *Tatparyartha*

5. निम्नलिखित में से किसी **1** पर **संस्कृत** में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 9 x 1 = 9

Write short note in **Sanskrit** on any **one** of the following:

अन्विताभिधानवाद *Anvitabhidhanavada*

अथवा **/ Or**

वैदिकीवाक् *Vaidikivak.*

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(17)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 7778 **L**

Unique Paper Code : 2133100027

Name of the Paper : Indian and Western Poetics Criticism

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit – DSE**

Semester : VIII – NEP (UGCF) – 2020

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
Answer any **five** of the following questions:

1. भारतीय विचारकों की काव्य-संबंधी अवधारणा को वर्णित कीजिए। 18
   Describe the poetic concepts of Indian thinkers.

2. प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 18
   Explain Plato's theory of imitation.

3. आचार्य क्षेमेन्द्र के औचित्य सिद्धांत की समीक्षा कीजिए। 18
   Review the justification theory of Acharya Kshemendra.

4. काव्यभाषा के स्वरूप पर राजशेखर एवं विलियम वर्डस्वर्थ के विचार प्रस्तुत कीजिए। 18
   Present the views of Rajashekhara and William Wordsworth on the nature of poetic language.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

5. अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद को व्याख्यायित कीजिए। 18
Explain Abhinavagupta's Theory of Expression (Abhivyaktivada).

6. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजन को परिभाषित कीजिए। 18
Define the purpose of poetry according to Acharya Mammata.

7. काव्यहेतु पर आचार्य मम्मट एवं विलियम वर्डस्वर्थ के विचारों को समायोजित कीजिए। 18
Synthesize the views of Acharya Mammata and William Wordsworth regarding the causes of poetry.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: $2\times9 = 18$
Write comment on any **two** of the following:
i. दण्डी के अनुसार कवि-प्रतिभा
(Poetic talent according to Dandi)
ii. उपन्यास
(Novel)
iii. आत्मकथा
(Autobiography)
iv. गीतिकाव्य
(Lyric Poetry)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(8)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............
आपका अनुक्रमांक............

Sr. No. of Question Paper	:	**8453**
Unique Paper Code	:	2133100025
Name of the Paper	:	Ramayan - History, Structure and Various Recensions
Name of the Course	:	**B.A. (Honors) Sanskrit, DSE**
Semester	:	VIII

L

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers may be written either in Sanskrit,English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत,अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. "वाल्मीकि रामायण भारतीय मूल्यों के लिए आधारभूत 'उपजीव्य काव्य' है |" 'आदर्श पुरुष' की अवधारणा के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए | 18

"Valmiki Ramayana is the foundational 'Upajivya Kavya' for Indian values." Analyze this statement with reference to the concept of 'Ideal Man' (Maryada Purushottam).

अथवा / Or

वाल्मीकि रामायण के काल और भौगोलिक क्षितिज की विवेचना कीजिए | यह प्राचीन भारत के प्रारंभिक इतिहास को किस प्रकार प्रतिबिम्बित करती है ?

Discuss the date and geographical horizon of the Valmiki Ramayana. How does it reflect the early history of ancient India?

2. वाल्मीकि रामायण की संरचना का विवेचन कीजिए | इसके काण्डों और वर्ण्य-विषय का संक्षेप में वर्णन करें | 18

Discuss the structure of Valmiki Ramayana. Briefly describe its Kandas and subject matter.

अथवा /Or

महाभारत में 'रामोपाख्यान' के महत्त्व का वर्णन कीजिए |

Describe the significance of Ramopakhyana in the Mahabharata.

3. साहित्यिक दृष्टि से रामायण की रस-योजना एवं अलंकार-योजना की विशेपताएँ लिखिए | 18

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

Write the use of Rasa and the characteristics of the poetic figures (Alankaras) of the Ramayana from a literary perspective.

अथवा/ Or

संस्कृत-रामायणों की परम्परा में 'अध्यात्म रामायण' का क्या महत्त्व है ? सोदाहरण लिखिए।

What is the significance of 'Adhyatma Ramayana' in the tradition of Sanskrit Ramayanas ? Explain with examples.

4. दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में रामकथा के विस्तार और प्रभाव का सविस्तार विवेचन कीजिए। 18

Discuss in detail the expansion and influence of the Ramayana in Southeast Asian countries.

अथवा/ Or

बालकाण्ड और उत्तरकाण्ड की प्रक्षिप्तता के विषय में विद्वानों के मतों की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the opinions of scholars regarding the interpolated nature of the Balakanda and Uttarkanda.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (6x3=18)

Write brief notes on any three of the following.

1. रामायण में उपमा प्रयोग
   The use of Upama in Ramayana
2. रामायण में प्रकृति-चित्रण
   Depiction of nature in Ramayana
3. दाक्षिणात्य पाठ
   The Southern recension
4. अध्यात्म रामायण
   Adhyatma Ramayana
5. काकविन रामायण
   Kakawin Ramayana

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(19)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............
आपका अनुक्रमांक............

Sr. No. of Question Paper : **8454** **L**

Unique Paper Code : 2133100026

Name of the Paper : Philosophy of Language, DSE

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, NEP-UGCF- 2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers may be written either in Sanskrit, English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत,अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. वैदिक वाङ्मय में उपलब्ध भाषा चिन्तन का निरूपण कीजिए। 18
Present the linguistic speculations in Vedic literature.

अथवा / **Or**

संस्कृत भाषादर्शन के क्षेत्र में आचार्य यास्क के योगदान को रेखांकित कीजिए।
Highlight the contribution of Acharya Yaska in the field of Sanskrit philosophy of language.

2. पाणिनिपरवर्ती व्याकरण परम्परा में भाषा दर्शन के विकासक्रम को दर्शाइए। 18
Demonstrate the development of philosophy of language in post Paninian grammatical tradition.

अथवा / **Or**

भारतीय भाषा दर्शन परम्परा की विभिन्न शाखाओं में उपलब्ध भाषा चिन्तन का निरूपण कीजिए।
Present the linguistic speculations as depicted in the various bramches of Indian language philosophical tradition.

3. भारतीय भाषा दर्शन के प्रमुख विचारों एवं सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 18
Describe the prominent thoughts and theories of Indian philosophy of language.

अथवा / **Or**

संस्कृत भाषा दर्शन परम्परा में नागेश भट्ट एवं प्रभाकर मिश्र के योगदान का उल्लेख कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Describe the contributions of Nagesha Bhatta and Prabhakara Guru in the Sanskrit language philosophical tradition.

4. निम्नलिखित में से किसी 3 पर टिप्पणी लिखिए: 9 x 3 = 27

Write notes on any **three** of the following:

i) शिक्षा एवं प्रातिशाख्यों में ध्वनिविज्ञान Phonemics in Shiksha and Pratishakhyas,

ii) सिद्धे शब्दार्थ-सम्बन्धे *Siddhe shabdartha-sambandhe*

iii) पदचिन्तन *Padachintana*

iv) जातिशक्तिवाद *Jatishaktivada*

v) तात्पर्यार्थ *Tatparyartha*

5. निम्नलिखित में से किसी 1 पर संस्कृत में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 9 x 1 = 9

Write short note in **Sanskrit** on any **one** of the following:

अभिहितान्वयवाद *Abhihitanvayavada*

अथवा / **Or**

अन्विताभिधानवाद *Anvitabhidhanavada.*

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

20

Not found

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2345 **L**

Unique Paper Code : 2022202001

Name of the Paper : Theravada Buddhist Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Buddhist Studies**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics 30

(b) Sanskar (b) Dukkha

(c) Sila Paramita (d) Dukkha Nirodha Gamini Patipada

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखेः

(क) संस्कार (ख) दुःख

(ग) शीलपारमिता (घ) दुःख निरोध गामिनीपटिपदा

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. Explain in details the three characteristics of the world given by the Buddha. 20

बुद्ध द्वारा दिए गए संसार के तीन लक्षणों को विस्तार से समझाइए।

3. How is the Buddhist theory of karma related to rebirth? Explain in detail. 20

बौद्ध कर्म की अवधारणा पुनर्जन्म से किस प्रकार से जुड़ी हुई है। विस्तार से समझाइए।

4. Explain in details the dependent origination given by the Buddha. 20

बुद्ध के द्वारा दिए गए प्रतीत्यसमुत्पाद को विस्तार से समझाइए।

5. **Relevance of the Four Noble Truths in the Present Context** **20**

वर्तमान परिपेक्ष्य में चार आर्य सत्य की प्रासंगिकता का विस्तारपूर्वक वर्णन करे।

6. What is meant by Nirvana in Buddhist philosophy? Describe its types and, while doing so, give a detailed account of the path to its attainment. 20

बौद्ध दर्शन में निर्वाण से क्या तात्पर्य है? इसके भेदों का वर्णन करते हुए, उसकी प्राप्ति के मार्ग का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2371 **L**

Unique Paper Code : 2132201201

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Name of the Course : **DSC B. A. Programme with Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. Write your Roll No- on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. All question carry equal marks

   सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

3. Answers may be written either in Hindi or in English but the same medium should be followed throughout the paper.

   इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए। 2x10=20

   Explain the following with reference to the context:

   (i) गुरुपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलित्तादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदो दोषं गुरुकरणम्, असुवर्णविरचनम् <u>अग्राम्यंकर्णाभरणम्</u>, अतीत ज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः। विशेषेणतु राज्ञाम्। विरला हि तेषामुपरदेष्टारः । प्रतिशब्दक इव राजवचनमनुगच्छति जनो भयात् ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

अथवा/Or

(ii) तात चन्द्रापीड ! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्यते नाल्पमप्युपदेष्ट -व्यमस्ति । केवलञ्च निसर्गतएवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभा-पनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् । <u>अपरिणामोपशमो</u> दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्। अशिशिरोप-चारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः।

(iii) अलं भो अलम् ! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं <u>रात्रावजागरीरिति</u> क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पाम्, यावनत्रासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित-मानव-देहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरन्द- मधुरा अपः पाययन् ।

अथवा /Or

कन्यके ! मा भैषीः, पुत्रि ! त्वां मातुः समीपे प्रापयिष्यामः, दुहितः । खेदं मा वह, भगवति । भुङक्ष्य किञ्चित्, पिब पयः, एते तव भ्रातरः, यत् कथयिष्यसि तदेव करिष्यामः, मा स्म रोदनैः प्राणान् <u>संशयपदवीमारोपयः</u>, मा स्म कोमलमिदं शरीरे शोकज्वालावलीढ कार्षीः" इति सहस्रधा बोधनेन कथमपि सम्बुद्धा किञ्चिद् दुग्धं पीतवती।

2. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के चरित्र का वर्णन कीजिए। 13
Describe the character of Lakṣmī on the basis of Śukanāsopadeśa.

अथवा /or

बाणभट्ट की गद्यशैली पर एक लेख लिखिए। Write an essay on the prose style of Bāṇabhaṭṭa.

3. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए: 2x4.5=9
Translate the following:

(i) इन्द्रियहरिणहारिणीन्वसंततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका। नवयौवनकषायितात्मनश्वसनिलानीच तान्येवविषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानिमधुतराण्यापतन्तिमनसः।

अथवा/or

लतेव विटपकानध्यारोहति । गङ्गेव वसुजनन्यपि <u>तरङ्गबुद्बुदचञ्चला</u>, दिवसकातिरिव प्रकटितविविध-संक्रान्तिः । <u>पातालगुहेव</u> तमोवहुला । हिडिम्बेवभीमसाहसैकहार्यहृदया। प्रावृडिवाचिरद्युतिकारिणी।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) ह्यः सम्पादित सायन्तन-कृत्ये, अत्रैव कुशाऽऽस्तरणमधिष्ठिते मयि, परितः समासीनेषु छात्र-वर्गेषु, समुदिते यामिनी-कामिनी-चन्दनबिन्दौ इव इन्दौ, अस्मन्नीतिवार्ता शुश्रूषुषु इव **<u>मौनमाकलयत्सु</u>** पतग-कुलेषु, अस्पष्टाक्षरम्, कम्पमान-निःश्वासम्, श्लथत्कण्ठम्, घर्घरितस्वनम्, चीत्कारमात्रम्, दीनतामयम्, अत्यवधानश्रव्यत्वादनुमितदविष्ठतं क्रन्दनमश्रौषम् ।

अथवा/or

स्वार्थ-चिन्ता-सन्तान-वितानैकतानेष्वमात्यवर्गेषु, **<u>प्रशंसामात्रप्रियेषु</u>** प्रभुषु, "इन्द्रस्तत्वं वरुणस्त्वं कुबेरस्त्वम्" इति वर्णनामात्रसक्तेषु बुधजनेषु कश्चन गजिनी-स्थाननिवासी महामदो यवनः ससेनः प्राविशद् भारते वर्षे। स च प्रजा विलुण्ठ्य, मन्दिराणि निपात्य, प्रतिमा विभिद्य, परशतान् जनांश्च दासीकृत्य शतशः उष्ट्रेषु रत्नान्यारोप्य स्वदेशमनैषीत्।

4. शिवराजविजय में ब्रह्मचारी गुरु के वर्णनानुसार तत्कालीन भारतीय समाज की स्थिति पर प्रकाश डालिए। 13

Describe the condition of Indian society at that time as described by the Brahmacārī Guru in Śivarājavijaya.

अथवा /or

अम्बिकादत्तव्यास की गद्यशैली पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the prose style of Ambikādatta Vyāsa.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिये, जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए। 3x4=12

Write notes on any **three** of the following, one of which should be in Sanskrit:

(i) युवावस्था के दोष — Yuvāvasthā ke doṣa

(ii) गन्धर्वनगरलेखा — Gandharvanagaralekhā

(iii) सतीर्थ्य — Satīrtha

(iv) अनर्थपरम्परा — Anarthaparamparā

(v) ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् — Aiśvaryatimirāndhatvaṁ

6. प्रश्नसंख्या एक तथा तीन के किन्हीं **चार** रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 4x2=8

Write grammatical notes on any **four** of the underlined words in question No.one & three

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए। 3×5=15
Write notes on any **three** of the following
(i) पञ्चतन्त्र- Pañcatantra
(ii) पुरुषपरीक्षा- Puruṣaparīkṣā
(iii) सिंहासनद्वात्रिंशिका- Siṁhāsanadvātriṁśikā
(iv) बेतालपंचविंशतिका Vetāla Pañcaviṁśātikā
(v) वासवदत्ता Vāsavadattā

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2661 **L**

Unique Paper Code : 2022201201

Name of the Paper : Theravada Buddhist Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Buddhist Studies**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any **two** of the following topics. (30)

   (a) Dukkha Samudaya

   (b) Dukkha

   (c) Paramita

   (d) Dukkha Nirodha

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:

(क) दुःख समुदय

(ख) दुःख

(ग) पारमिता

(घ) दुःख निरोध

2. Explain in details the three characteristics of the world given by the Buddha. (20)

बुद्ध द्वारा दिए गए संसार के तीन लक्षणों को विस्तार से समझाइए।

3. How is the Buddhist theory of karma related to rebirth? Explain in detail. (20)

बौद्ध कर्म की अवधारणा पुनर्जन्म से किस प्रकार से जुड़ी हुई है। विस्तार से समझाइए।

4. What is Paramita? Explain the concept of the Ten Paramitas in detail. (20)

पारमिता किसे कहते हैं। 10 पारमिताओं की अवधारणा को विस्तार से समझाइए।

5. Explain Nirvana, and describe Sopadhishesa and Nirupadhishesa in detail. (20)

निर्वाण को स्पष्ट करते हुए सोपाधिशेष एवं निरूपाधिशेष को विस्तार से समझाइए।

6. Explain the Four Noble Truths taught by the Buddha in detail. (20)

बुद्ध द्वारा दिए गए चार आर्य सत्य को विस्तार से समझाइए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(23)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2686 **L**

Unique Paper Code : 2132201201

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Name of the Course : **DSC B.A. Programme with Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** Questions carry equal marks.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए। 2x10=20

Explain the following with reference to the context:

(i) गुरुपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदो दोषं गुरुकरणम्, असुवर्णविरचनम् <u>अग्राम्यंकर्णाभरणम्</u>, अतीत ज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः। विशेषेणतु राज्ञाम्। विरला हि तेषामुपरदेष्टारः । प्रतिशब्दक इव राजवचनमनुगच्छति जनो भयात् ।

अथवा/Or

कन्यके ! मा भैषीः, पुत्रि ! त्वां मातुः समीपे प्रापयिष्यामः, दुहितः । खेदं मा वह, भगवति । भुङ्क्ष्य किञ्चित्, पिब पयः, एते तव भ्रातरः, यत् कथयिष्यसि तदेव करिष्यामः, मा स्म रोदनैः प्राणान् <u>संशयपदवीमारोपयः</u>, मा स्म कोमलमिदं शरीरे शोकज्वालावलीढ कार्षीः" इति सहस्रधा बोधनेन कथमपि सम्बुद्धा किञ्चिद् दुग्धं पीतवती।

(ii) वीर! गृहीतमखिले वित्तम्, पराजिता आर्यसेना: बन्दीकृता वयम्, सञ्चितममलं यशः, इतोऽपि न शाम्यति ते <u>क्रोधवेदस्मांरताडय</u>, मारय, छिन्धि, भिन्धि, पातय, मज्जय, खण्डय, कर्तय, ज्वलयः, किन्तु त्यजेमामकिञ्चित्करीं जडां महादेव-प्रतिमाम्। यद्येवं न स्वीकरोषि तद् गृहाणास्मत्तोऽज्यदपि सुवर्णकोटिद्वयम्, त्रायस्व, मैर्नां भगवन्मूर्तिं स्प्राक्षीः।

अथवा/Or

अलं भो अलम् ! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं <u>रात्रावजागरीरिति</u> क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पाम्, यावनत्रासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित-मानव-देहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरन्द- मधुरा अप: पाययन् ।

2. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 13

Critically examine the statement- 'Bāṇocchiṣṭaṁ Jagatsarvaṁ'.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2698 **L**

Unique Paper Code : 2022201202

Name of the Paper : Mahayana Buddhist Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Buddhist Studies**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **Four** Questions in all.

3. Question No. **1** is Compulsory.

4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें।

3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on **any two** of the following topics :

(a) Dana Paramita

(b) Bodhisattva

(c) Yogachara

(d) Hinayan (30)

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे :

(क) दान पारमिता

(ख) बोधिसत्व

(ग) योगाचार

(घ) हीनयान

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. What is meant by Paramita? How many Paramitas are there according to Mahayana? Mention their names and explain them. (20)

पारमिता से क्या समझते हैं? महायान के अनुसार कितने पारमिता होते है? उनके नाम का उल्लेख करते हुए व्याख्या कीजिए।

3. What is the concept of Trikaya in Buddhist philosophy? Explain it in detail. (20)

बौद्ध दर्शन में त्रिकाय की क्या अवधारणा है? इसका विस्तृत विवेचन कीजिए।

4. Why is the Madhyamika school an important sect of Mahayana Buddhism? Describe its main doctrines. (20)

माध्यमिक स्कूल महायान बौद्ध धर्म का एक प्रमुख संप्रदाय क्यों है? इसके प्रमुख सिद्धान्तों उल्लेख कीजिए।

5. Explain in detail the concept of the Ten Bhumis according to Mahayana philosophy. (20)

महायान दर्शन के अनुसार दश भूमियों के विषय में विस्तार से व्याख्या कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

6. What is meant by Mahayana? Explain its main principles. (20)

महायान किसे कहते हैं? इसके प्रमुख सिद्धान्तों के विषय में प्रकाश डालिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

L

Sr. No. of Question Paper : 2720

Unique Paper Code : 2132201202

Name of the Paper : Sanskrit Drama

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit – DSC

Semester : II – NEP (UGCF)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1) निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** का अनुवाद कीजिए : 2 ×5 =10

Translate **any two** of the following:

i. पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्॥

ii. रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः सरोभि-
श्छायाद्रुमैर्नियमितार्कमयूखतापः।
भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः
शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्था॥

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

iii. **यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां**
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।
श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

iv. अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे
विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला ।
तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं
मम विरहजां न त्वं वत्से शुचं गणयिष्यसि ॥

2) निम्नलिखित में से **किसी एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । 8
Explain **any one** of the following with reference.

i. उद्गलितदर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तना मयूराः ।
अपसृतपाण्डुपत्राः मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः ॥

ii. एषापि प्रियेण विना गमयति रजनीं विषाददीर्घतराम् ।
गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति ॥

3) निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** का अनुवाद कीजिए । 2 × 5 =10

Translate **any two** of the following.

I. ग्रहणमुपगते तु वासुभद्रे
हृतनयना इव पाण्डवा भवेयुः।
गतिमतिरहितेषु पाण्डवेषु
क्षितिरखिलापि भवेन्ममासपत्ना ।।

ii. अक्षान् क्षिपन् स कितवः प्रहसन् सगर्वं
सङ्कोचयन्निव मुदं द्विषतां स्वकीर्त्या ।
स्वैरासनो द्रुपदराजसुतां रुदन्तीं
काक्षेण पश्यति लिखत्यभिखं नयज्ञः ।।

iii. यदि लवणजलं वा कन्दरं वा गिरीणां
ग्रहगणचरितं वा वायुमार्गं प्रयासि ।
मम भुजबलयोगप्राप्तसंजातवेगं
भवतु चपल ! चक्रं कालचक्रं तवाद्य ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

iv. मणिकनकविचित्रा चित्रमालोत्तरीया
मुररिपुगणगात्रध्वंसने जाततृष्णा ।
गिरिवरतटरूपा दुर्निवारातिवीर्या
व्रजति नभसि शीघ्रं मेघवृन्दानुयात्रा ॥

4) निम्नलिखित में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 8
Explain any one of the following with reference:

i. वने पितृव्यो मृगयाप्रसङ्गत:
कृतापराधो मुनिशापमाप्तवान्।
तदाप्रभृत्येव स दारनिस्पृहः
परात्मजानां पितृतां कथं व्रजेत् ।।

ii. वनिताविग्रहो युद्धे महासुरभयङ्करः ।
प्रयाति गगने शीघ्रं महोल्केव विभात्ययम् ॥

5) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक में प्रकृति-चित्रण की उत्कृष्टता पर प्रकाश डालिए। 18
Throw light on the excellence of nature depiction in the fourth act of Abhijnanashakuntalam.

अथवा/OR

'अभिज्ञानशाकुंतलम्' के चतुर्थ अंक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Describe the features of the fourth act of Abhijñānaśākuntalam.

6) 'दूतवाक्यम्' नाटक के वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए। 18
Describe the excellence of the play Dutavākyam.

अथवा/OR

'दूतवाक्यम्' नाटक के आधार पर भगवान कृष्ण का चरित्र चित्रण कीजिए।
Describe the character of Lord Krishna on the basis of the play ' Dutavākyam'

7) निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 3×6 =18

Write short notes on **any three** of the following:

(क) सूत्रधार : Sootradhaar

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ख)	कञ्चुकी	:	Kanchukiq
(ग)	स्वगत	:	Svagat
(घ)	भाम	:	Bhāsa
(ङ)	कालिदास	:	Kālidāsa
(च)	विशाखदत्त	:	Viśākhadatta

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

25

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 4301 **L**

Unique Paper Code : 2131001001

Name of the Paper : Advance Neeti Literature In Sanskrit (Sanskrit A)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×15=30)

   Answer *any* **two** of the following:

   (i) नीतिकाव्यों का परिचय देते हुए इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
   Provide an introduction to Niti-kavya and describe its key characteristics.

   (ii) हितोपदेश ग्रंथ का परिचय तथा विषयवस्तु पर निबन्ध लिखिए।

   Write an essay introducing the Hitopadesha and outlining its subject matter.

   (iii) मित्रभेद के प्रथम तंत्र की कथावस्तु का वर्णन कीजिए।
   Describe the plot कथावस्तु of the first Tantra of Mitrabheda.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

(iv) मित्रभेद के अनुसार भिन्न-भिन्न व्यापारियों के स्वभाव का उल्लेख कीजिए।

Describe the characters of various merchants as outlined in the Mitrabheda.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए: (2×10=20)

Write short answer *any* **two** of the following:

(क) कीलोत्पाटिवानरकथा के माध्यम से सार्थक तथा व्यर्थ जीवन की विवेचना कीजिए।

Through the narrative of the कीलोत्पाटिवानरकथा, analyze the distinction between a meaningful life and a futile life.

(ख) करटक के अनुसार मनुष्य को अपनी वाणी का सफल प्रयोग किस प्रकार करना चाहिए।

According to Karkata, how should a human being make effective use of their speech?

(ग) मित्रभेद के अनुसार धन प्राप्ति में वाणिज्य व्यापार श्रेष्ठ माना गया है, इसका विश्लेषण कीजिए।

According to Mitrabheda, commerce and trade are considered the superior for acquiring wealth; analyze this proposition.

(घ) मित्रभेद के अनुसार व्यापार के साधनों पर प्रकाश डालिए।

Enlightens on the various methods of trade as described in Mitrabheda.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (2×5=10)

Write short notes *any* **two** of the following:

a) चाणक्यनीति : Chanakyaneeti

b) नीतिकथा : Neetikatha

c) पंचतंत्र : Panchtantra

d) कथासरित्सागर : Kathasaritsagar

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 4305 **L**

Unique Paper Code : 2131001003

Name of the Paper : Introduction to Sanskrit Language (Sanskrit C), AEC 1

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कर्त्ता कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 5

Explain krta karaka with example.

अथवा/OR

करण कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Explain Karana karaka with example.

2. निम्नलिखित अव्ययों में से किन्हीं **दो** अव्ययों को चुनकर वाक्य निर्माण कीजिए: 2×1=2

With the help of any **two** Avyaya of the following from Sanskrit sentences:

च,कुत्र,तत्र,अद्य,कथम्, यदा

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** शब्दों के रूप निर्देशानुसार लिखिए: 5×1=5

Write the specific from of any **five** words of the following:

(क) दृश् – प्रथमा विभक्ति

(ख) मति – द्वितीया विभक्ति

(ग) पुष्प- सप्तमी विभक्ति

(घ) लता –तृतीया विभक्ति

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ङ) सर्व - पञ्चमी विभक्ति
(च) तत्-(स्त्रीलिंग) षष्ठी विभक्ति
(छ) किम् (नपुंसकलिङ्ग) - तृतीया विभक्ति
(ज) धन – तृतीया विभक्ति
(झ) फल – द्वितीया विभक्ति
(ञ) बालक- प्रथमा विभक्ति

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** को शुद्ध कीजिए: 4×2=8

Correct any **four** of the following:

(क) बालक: हसन्ति ।
(ख) जन: गच्छन्ति ।
(ग) ता: लिखति ।
(घ) वयं खादति ।
(ङ) तौ गच्छति ।
(च) त्वं किं खादामि ।
(छ) जनाः हससि ।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों की विभक्ति एवं वचन लिखिए: 5×1=5

Whrite the Vibhakti and Vachan of any **five** Padas of the following:

(क) हरि:
(ख) लताम्
(ग) ताभ्याम्
(घ) कस्य
(ङ) पुष्पम्
(च) गुरवे
(छ) अहम्
(ज) केन
(झ) बालक:
(ञ) राम:

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए: 5×2=10

Fill in the blanks in any **five** of the following sentences:

(क) छात्र: ....(गच्छन्ति, गच्छति,गच्छत:)
(ख) त्वं वेदम् ....(पठामि,पठसि,पठथ:)
(ग) नीता भोजनम्............................(पचति, पचाव:, पचन्ति)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(घ) बालका: जलं .... (पिबति, पिबथ: पिबन्ति)
(ङ) स: ग्रामम् ....(गच्छन्ति , गच्छति , गच्छसि)
(च) जना: नगरे ....(भ्रमति,भ्रमन्ति, भ्रमथ)
(छ) ता: दिल्लीनगरे.............................. (गमिष्यन्ति, गमिष्यामि गमिष्याम:)
(ज) धावका: क्रीडाक्षेत्रे ....(धावन्ति, धावति,धावत:)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के रूप निर्देशानुसार लिखिए: 5×1=5
Write the specific from of any **five** verbs of the following:
(क) चल् – लट् लकार,प्रथम पुरुष , एकवचन
(ख) पठ् - लृट् लकार, मध्यम पुरुष ,एकवचन
(ग) लिख् – लङ् लकार, प्रथम पुरुष , बहुवचन
(घ) खाद् - लट् लकार,मध्यम पुरुष , द्विवचन
(ङ) वद् - लृट् लकार, उत्तम पुरुष,एकवचन
(च) गम् - लङ् लकार, मध्यम पुरुष , द्विवचन
(छ) हस्- लट् लकार, उत्तम पुरुष , द्विवचन
(ज) पच्- लट् लकार,प्रथम पुरुष , एकवचन
(झ) दा - लङ् लकार, मध्यम पुरुष , द्विवचन

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के लकार, पुरुष और वचन बताइए: 5×1=5
Write the lakara, Purusha and Vachan of any **five** of the following:
पचामि,पठिष्यति ,अपठः , हसति, गमिष्यसि, पचथ:, सन्ति , लिखाम:

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: 5×2=10
Translate any **five** sentences in any into Sanskrit of the following:
(क) वह रामायण पढ़ता है।
(ख) वह पढती है।
(ग) भक्त ईश्वर को भजता हैं।
(घ) वह गुरुकुल जाएगी।
(ङ) तुम सब कब आओगे?
(च) मैं व्याकरण पढता हूँ।
(छ) छात्र पुस्तकालय गये थे।
(ज) तुम सब महाविद्यालय जाते हो ।

(ख) निम्नलिखित में से रेखांकित किन्हीं **पाँच** पदों में विभक्ति की पहचान कीजिए: 5×1=5
Identify the inflection in any **five** of the following underline sentences:
(क) <u>स:</u> हसति।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

(ख) तेन पठ्यते ।

(ग) जना: फलं खादन्ति ।

(घ) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति ।

(ङ) शिवाय नमः ।

(च) जन: नगरे निवसति ।

(छ) सा गच्छति ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

27

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4306 **L**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B), AEC

Name of the Course : **COMMON PROG. GROUP**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार सम्भूति तथा असम्भूति की प्रकृति का वर्णन कीजिए। 15
Describe the nature of Sambuti and Asambhuti as depicted in Ishavasyopnishad

अथवा/Or

उपनिषदों की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the subject matter of the Upanishads.

2. ईशावास्योपनिषद् में ज्ञान और कर्म को एक-दूसरे का पूरक बतलाया गया है- स्पष्ट कीजिए। 15
Gyana and Karma have been described as complementary to each other In Ishavasyopanishad. Explain.

अथवा/Or

ईशावास्योपनिषद् के अनुसार आत्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the nature of Atman as propounded in Ishavasyopnishad.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

3. भगवद्गीता के अनुसार भक्तियोग की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 15

Analysis the concept of Bhakti Yoga as discussed in Bhagvadgeeta.

अथवा/Or

वर्तमान समय में भगवद्गीता की शिक्षाओं के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the importance of teachings of Bhagvadgeeta in the present scenario.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3×5=15

Write short notes on any **three** of the following:

क. तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः - Tena Tyaktena Bhunjithah

ख. सत्य - Satya

ग. स्थितप्रज्ञ - Sthitapragya

घ. ज्ञान योग - Gyana Yoga

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(28)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

L

Sr. No. of Question Paper : 4316

Unique Paper Code : 2131001001

Name of the Paper : Advance Neeti Literature In Sanskrit (Sanskrit A)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours

समय : 2 घण्टे

Maximum Marks : 60

पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×15=30)

   Answer any two of the following questions:

   (i) नीतिकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
   Enlighten on the origin and development of Neetikavya.

   (ii) पंचतंत्र का परिचय दीजिए तथा इसकी विशिष्टताओ का वर्णन कीजिए।
   Give an introduction to Panchatantra and describe its characterstics.

   (iii) पंचतंत्र के अनुसार कीलोत्पाटिवानरकथा का सारांश लिखिए।
   According to Panchatantra, write the summary of कीलोत्पाटिवानरकथा.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) कीलोत्पाटिवानरकथा के अनुसार मनुष्य जीवन की सार्थकता का वर्णन कीजिए।
Describe the significance of human life according to the story of the कीलोत्पाटिवानरकथा.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए: (2×10=20)

Write short answer *any* **two** of the following:

(क) मित्रभेद के आधार पर वाणिज्य व्यापार के प्रकारों की विवेचना कीजिए।
Discuss the types of commerce and trade on the basis of Mitrabheda.

(ख) चाणक्यनीति के काव्यगत वैशिष्ट्य का उल्लेख कीजिए।
Write on the poetic characteristics of Chanakyaniti.

(ग) मित्रभेद के अनुसार धन-प्राप्ति के उपायों पर निबन्ध लिखिए।
Write an essay on ways to acquire wealth according to Mitrabheda.

(घ) मित्रभेद के अनुसार धन की आवश्यकता तथा धन के प्रभाव का वर्णन कीजिए।
Describe the need for money and the effects of money according to Mitrabheda.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (2×5 =10)

Write a short note on **two** three of the following:

i. कथासरित्सागर : Kathasaritsagar

ii. पंचतन्त्र : Panchtantra

iii. हितोपदेश : Hitopadesh

iv. विष्णुशर्मा : Vishnusharma

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

29

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper	:	**2386**	**L**
Unique Paper Code	:	2022202001	
Name of the Paper	:	Principle Elements of Theravada Buddhist Thoughts	
Name of the Course	:	**B.A. (Prog.) Buddhist Studies, DSC**	
Semester	:	IV	

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics 30

(a) Triratna (b) Pancasila

(c) Nirvana (d) Metta

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:

(क) त्रिरत्न (ख) पंचशील

(ग) निर्वाण (घ) मेत्ता

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. **Discuss the language and literature of Theravâda Buddhism.** **20**

थेरवाद बौद्ध धर्म की उत्पत्ति और विकास पर चर्चा कीजिए।

3. **Discuss the concept of *Brahmavihāra* and its four sublime states of mind in detail.** **20**

ब्रह्मविहार और उसकी चार सर्वोच्च मनः स्थितियों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

4. **What is *Lokuttara Citta*? Discuss its four stages in detail.** **20**

लोकोत्तरचित किसे कहते है? उसके चारों चरणों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

5. **Discuss the Buddha, Paccekabuddha, and Arahant in detail.** **20**

बुद्ध, पच्चेकबुद्ध एवं अर्हत पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

6. Discuss in Detail the Four Foundations of Mindfulness in Satipatthana Sutta. 20

चार स्मृति-प्रस्थानों का सतिपट्ठानसुत के आधार पर विस्तृत विवेचना कीजिए

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(30)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 2416 **L**

Unique Paper Code : 2132202401

Name of the Paper : Dharmashastra Studies, DSC

Name of the Course : **B. A. (Prog.) with Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for candidates/ छात्रों के लिए निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना **अनुक्रमांक** लिखिए।
   Write your **Roll No.** on the top immediately on receipt of this question paper
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत या हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
   Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
   Answer All Questions.

1 निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3x18=54

Answer any **three** questions out of the following:

क) धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों के आलोक में धर्म के विविध पक्षों का विवेचन कीजिए।
In the light of Dharmashastriya texts, discuss various aspects of Dharma.

ख) प्राचीन काल की शिक्षा व्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।
Analyse the main features of the education system of ancient times.

ग) धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों के अनुसार दण्ड संहिता के विविध पक्षों का विवेचन कीजिए?
Discuss various aspects of penal code as per Dharmashastra texts?

घ) मण्डल सिद्धान्त पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the Mandala theory.

ङ) राज्य के सात अङ्गों का विवेचन कीजिए।
Discuss the seven elements of State.

2 निम्नलिखित में मे किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3x6=18

Write short notes on any **three** of the following:

राजा की अनिवार्य योग्यताएं, षाड्गुण्य सिद्धान्त, मोक्ष अर्थशास्त्र, रामायण

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

Essential qualifications of a king, *Shadgunya Siddhanta*, *Moksha*, Arthashastra, Ramayana

3 निम्नलिखित में से किसी **एक** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए: 8

Write detailed note on any **one** of the following:

पुरुषार्थ, आश्रम व्यवस्था, धर्मशास्त्रीयनिबन्धग्रन्थ

Purushartha, *Ashrama* System, Dharmashastrअ Nibandha texts

4 निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति) दीजिए: 5x2=10

Answer any Five questions of the following in brief (One or two lines):

(a) किन्हीं तीन स्मृति ग्रन्थों का नाम लिखिए।

Write names of any three Smriti texts.

(b) किन्हीं तीन धर्मसूत्रों का नाम लिखिए।

Write names of any three Dharma sutra texts.

(c) पुराण की परिभाषा दीजिए।

Give the definition of *purana*.

(d) तीसरे आश्रम का नाम बताइये।

Give the name of the Third *Ashrama*.

(e) मेधातिथि ने किस स्मृति ग्रन्थ पर भाष्य लिखा है?

On which Smriti text Madhatithi wrote a commentary?

(f) पुरुषार्थों के नाम लिखिए।

Give the name of the last purushartha.

(g) महापातक की संख्या और नाम बताइए।

Tell the number and names of Mahapatakas.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(31)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2431 **L**

Unique Paper Code : 2022202001

Name of the Paper : Principal Elements of Theravada Buddhist thoughts

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Buddhist Studies, DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write short notes on **any two** of the following. 15x2 =30

   निम्नलिखित में से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

   - Nirvana (निर्वाण)
   - Paccekabuddha (प्रत्येकबुद्ध)
   - Mudita (मुदिता)
   - Triratna (त्रिरत्न)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. Explain the Term Theravada, its Language, Literature, and Region. (20)

थेरवाद शब्द, उसकी भाषा, साहित्य एवं क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

3. Explain Nirvāṇa and its Stages of Attainment in Detail. (20)

निर्वाण तथा उसकी प्राप्ति के विभिन्न चरणों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. Discuss the Concept of Panchsheel and DasaSikkhapada. (20)

पंचशील एवं दससिक्खापद की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

5. **Explain Brahmavihara and its Sublime States of Mind. (20)**

ब्रह्मविहार तथा उसकी उच्चतम मानसिक अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए।

6. Discuss in Detail the Four Foundations of Mindfulness in Satipatthana Sutta. (20)

चार स्मृति-प्रस्थानों का सतिपट्ठानसुत के आधार पर विस्तृत विवेचना कीजिए

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(200)

(32)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

L

Sr. No. of Question Paper : 2458

Unique Paper Code : 2132202401

Name of the Paper : Dharmashastra Studies, DSC

Name of the Course : **B.A. (Prog.) with Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** Questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3x18=54

Answer any **three** questions out of the following:

क) धर्म के स्वरूप, लक्षण और विशेषताओं पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the nature, characteristics and features of Dharma.

ख) धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों के अनुसार वर्ण व्यवस्था का निरूपण कीजिए।

Discuss the *Varna* system as per Dharmashastra texts.

ग) मानवजीवन में अर्थ पुरुषार्थ का क्या महत्त्व है?

What is the importance of the *Artha Purushartha* in human life?

घ) प्राचीन विधि व्यवस्था पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on ancient Indian legal system.

ङ) चतुर्विध उपायों का विवेचन कीजिए।

Discuss the four *upayas*.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3x6=18

Write short notes on any **three** of the following:

मण्डल सिद्धान्त, दान, श्राद्ध, तीर्थयात्रा, धर्मसूत्र

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Mandala theory, *Dana*, *Shraddha*, Pilgrimage, Dharmasutra

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए: 8
Write detailed note on any **one** of the following:
पुराण, आश्रम, महापातक
Purana, Ashrama, Mahapataka

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति) दीजिए: 5x2=10
Answer any **five** questions of the following in brief (One or two lines):

(a) व्यवहार से आप क्या समझते हैं?
What do you understand by *Vyavahara*?

(b) विवाह के प्रकारों के नाम लिखिए।
Write types of marriage.

(c) चारों पुरुषार्थों के नाम लिखिए।
Write the names of four *purusharthas*.

(d) रामायण और महाभारत के लेखकों के नाम बताइए।
Give the names of the authors of Ramayana and Mahabharata.

(e) कौटिल्य के अर्थशास्त्र की विषयवस्तु बताइए।
Explain the subject matter of Kautilya's Arthashastra.

(f) किसी एक धर्मसूत्र की विषयवस्तु बताइए।
Give the subject matter of any Dharmasutra text.

(g) दान का महत्त्व बताइए।
Explain the importance of *Dana*.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

53

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2623 **L**

Unique Paper Code	:	2022202002
Name of the Paper	:	Buddhist Schools of Thoughts
Name of the Course	:	**B.A. (Prog.) Buddhist Studies, DSC**
Semester	:	IV

Duration : 3 Hours — Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics (30)

(a) Pancavatthuni Dhamma

(b) Anattavada

(c) Bodhisattva

(d) Vasumitra

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:

(क) पञ्चवथुनी धम्म

(ख) अनात्मवाद

(ग) बोधिसत्व

(घ) वसुमित्र

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. Describe the origin and development of Bauddha Sangha. 20

बौद्ध संघ के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए।

3. Describe about the Second Buddhist Council and its Proceedings. 20

द्वितीय बौद्ध संगीति और उसके कार्यवाही का वर्णन कीजिए।

4. What is the Theory of Existence of Everything (Sarvastivada). Describe. 20

सर्व व्यापी सिद्धांत (सर्वास्तिवाद) क्या है उसका वर्णन कीजिए।

5. Describe the key principles of Mahayana Buddhism. 20

महायान बौद्ध धर्म के प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

6. Explain the concept of *Śūnyavāda* (Doctrine of Emptiness) according to Buddhist philosophy. 20

बौद्ध दर्शन के अनुसार शून्यवाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

33.5

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 10206 L

Unique Paper Code : 2132202402

Name of the Paper : Readings from Vedas

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit - DSC

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश / Instructions for Candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
   Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this questions paper.
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
   Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3x15=45
   Answer any three questions out of the following:

(क) प्रमुख उपनिषदों का विस्तृत परिचय दीजिए।
Give a detailed introduction to the main Upanishadas.

(ख) वेदों के कालनिर्धारण में भारतीय विद्वानों के मतों को प्रस्तुत करें।
Present of opinions of Indian scholars in the chronology of the vedas.

(ग) अग्नि सूक्त के महत्त्व को समझाइए।
Explain a importance of the Agni Sukta.

(घ) संज्ञान सूक्त की वर्तमान समाज में प्रासंगिकता हेतु प्रकाश डालिए।
Highlight that the Samjnana Sukta is Relevance to the Present Society.

(ङ) ऋग्वेद संहिता का विस्तृत परिचय दीजिए।
Give a detailed introduction to the Rigveda Samhita :

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 3x9=27
   Write short notes on any three of the following.

(क) वेदाङ्गों का प्रतिपाद्य विषय
Explained of the Vedangas.

P.T.O.

(ख) शिवसंकल्प सूक्त की उपयोगिता
Practical use of the Shivasankalpa Sukta.

(ग) आरण्यक ग्रन्थ
Aranyaka Texts.

(घ) समानो मन्त्र : समिति : समानी
Samano Mantrah Samitih Samani

(ङ) नचिकेता तथा यम के संवाद
Nachiketa and Yama Conversation

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए: 8
Write short note on any one of the following.

(क) ऋग्वेदीय अक्षसूक्त की वर्तमान सन्दर्भ में प्रासंगिकता।
Relevance of the Present context of the Rigvediya Aksha Sukta.

(ख) वर्तमान समाज के लिये कठोपनिषद की शिक्षा पर प्रकाश डालिए।
Discuss the Education of Kathopnishad to the Present Society.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति में) दीजिए: 5×2=10
Answer any five questions of the following in Short (One or Two Lines)

(क) ऋग्वेदीय शाखाएँ Rigvediya Branches.

(ख) मंत्र Mantra

(ग) व्याकरण Grammar

(घ) सायण Sayan

(ङ) ज्योतिष Jyotish

(च) देवता Devata

(छ) ऋत्विज Ritvij

(ज) उपवेद Upaveda

(झ) ब्राह्मण ग्रन्थ Brahaman Text

(200)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 10220 **L**

Unique Paper Code : 2132202402

Name of the Paper : Readings from Vedas

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit - DSC

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश / Instructions for Candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this questions paper.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए
Answer any three questions out of the following- 3×15=45

(क) अथर्ववेद संहिता का विस्तृत परिचय दीजिए।
Give a detailed introduction to the Atharvaveda.

(ख) शिवसंकल्प सूक्त का मनोवैज्ञानिक निरूपण प्रस्तुत करें।
Present a Psychological explanation of the Shivasankalpa sukta.

(ग) ऋग्वेदीय अग्नि सूक्त के महत्व को समझाइए।
Explain a importance of the Rigvediya Agnisukta.

(घ) भूमिसूक्त की वर्तमान सन्दर्भ में प्रासंगिकता है। स्पष्ट करें।
Explain that the Bhoomi Sukta is relevant to the Present context.

(ङ) ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य परिचय दीजिए।
Give a General Introduction to the Brahmana Texts.

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 3×9=27
Write short notes on any three of the following-

(क) उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय।
Explained of the upnishadas.

(ख) संज्ञान सूक्त की वर्तमान समाज में उपादेयता।
Relevance of the Present society to the Samjnana Sukta.

(ग) ऋग्वेद संहिता।
Rigveda Samhita.

(घ) तन्मे मन: शिवसंकल्पमस्तु।
Tanme Manah Shivasankalpamastu.

(ङ) वेदाङ्ग ग्रंथ।
Vedanga Texts

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए- 8
Write short essay on any one of the following.

(अ) ऋग्वेदीय अक्षसूक्त की वर्तमान समाज में प्रासंगिकता।
Relevance of the Present society to the Rigvediya Askha Sukta.

(ब) कठोपनिषद् में वर्णित तीन वरों पर प्रकाश डालिए।
Highlight that the three varas mantioned in the Kathupanishad.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति में) लिखिए- 2×5=10
Answer any five question on the following in short (one or two lines).

(क) आरण्यक Aranyaka

(ख) मन्त्र Mantra

(ग) पुरोहित Purohit

(घ) ऋषि Rishi

(ङ) शिक्षा Shiksha

(च) सायण Sayan

(छ) छन्द Chhanda

(ज) लोकमान्य तिलक Lokamanya Tilak

(200)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2231 **L**

Unique Paper Code : 2022203601

Name of the Paper : Buddhist Psychology

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Buddhist Studies**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics (30)

   (a) Mānas (Mind) (b) Citta (Consciousness),

   (c) Cetasika (Mental Factors), (d) Ālayavijñāna (Store-house Consciousness)

   निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:

   (क) मनस, (ख) चित्त,

   (ग) चैतसिक, (घ) आलयविज्ञान

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. Explain the Buddhist Psychology: Nature and Development. 20

बौद्ध मनोविज्ञान: स्वरूप और विकास की व्याख्या कीजिए।

3. Explain Cetasika in detail. 20

चेतसिक की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. What is Vipssanâ? Describe it in detail. 20

विपस्सना क्या है इसके विषय में विस्तृत उल्लेख करें।

5. Discuss the management of life according to Buddhist Psychology. 20

बौद्ध मनोविज्ञान के अनुसार जीवन के प्रबंधन पर चर्चा कीजिए।

6. What do you understand by Vijñâna in Buddhism? Give a detailed Account of the eight types of Vijñâna, beginning with visual consciousness. 20

बौद्ध दर्शन में विज्ञान से क्या समझते हैं? चक्षुविज्ञान आदि आठों विज्ञानों का विस्तृत उल्लेख करें।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2261 **L**

Unique Paper Code : 2132203601

Name of the Paper : Sanskrit Literature: Katha-Kavya

Name of the Course : **B.A. (P) with Sanskrit, UGCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. Write your Roll No- on the top immediately on receipt of this question

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. All questions are compulsory.

   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

   अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** गद्यांशों/पद्यों का अनुवाद कीजिए: 3x6=18

   Translate any **three** of the following paragraphs/stanzas:

   कुपुत्रोऽपि भवेत्पुंसां हृदयानन्दकारकः।

   दुर्विनीतिः कुरूपोऽपि मूर्खोऽपि व्यसनी खलः।।

   अथवा /or

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः ।
अर्धेन कुरुते कार्यं सर्वनाशो हि दुःसहः ।।

अथवा /or

वरं बुद्धिर्न सा विद्या विद्यया बुद्धिरुत्तमा ।
बुद्धिहीना विनश्यन्ति यथा ते सिंहकारकाः।।

अथवा /or

अथ कदाचित्तेषां गोष्ठीगतानां जालहस्तधीवराः प्रभूतैर्मत्स्यैर्व्यापादितैर्मस्तके विधृतैरस्तमनवेलायां तस्मिन् जलाशये समायाताः। ततः सलिलाशयं दृष्ट्वा मिथः प्रोचुः- 'अहो ! बहुमत्स्योऽयं ह्रदो दृश्यते स्वल्पसलिलश्च। तत्प्रभातेऽत्रागमिष्यामः एवमुक्त्वा स्वगृहं गताः।

अथवा /or

अथ प्रातः प्रबुद्धः सन् स स्वप्नं स्मरन् चिन्ताचक्रमारूढस्तिष्ठति- 'अह्वो ! सत्योऽयं स्वप्नः, किं वाऽसत्यो भविष्यतीति न ज्ञायते । अथवा नूनं मिथ्या भाव्यम्। यतोऽहमहर्निशं केवलं वित्तमेव चिन्तयामि।

अथवा /or

तथाऽनुष्ठिते रासभरटनमाकर्ण्य क्षेत्रपः क्रोधात् दन्तान्धर्षयन्प्रधावितः। यावद्रासभोदृष्टस्तावल्लगुड–प्रहारैस्तथा हतो यथा प्रताडितो भूपृष्ठे पतितः। ततश्च सच्छिद्रमुलूखलं तस्य गले बद्धवा क्षेत्रपालः प्रसुप्तः। रासभोऽपिस्वजातिस्वभावाद्गतवेदनः क्षणेनाऽभ्युत्थितः।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों/पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2 x 9 = 18

Explain any **two** of the following paragraphs/stanzas with reference to context:

अरक्षितं तिष्ठति दैवरक्षितं सुरक्षितं दैवहतं विनश्यति।
जीवत्यनाथोऽपि वने विसर्जितः कृतप्रयत्नोऽपि गृहे न जीवति।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा /or

न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति ।

संशयं पुनरारुह्य यदि जीवति पश्यति ॥

अथवा /or

तच्छ्रुत्वा नापित आह-'भगवन्। वेद्म्यहं युष्मद्धर्मम्। परं भवतो बहवः श्रावका आह्वयन्ति। साम्प्रतं पुनः पुस्तकाच्छादनयोग्यानि कर्पटानि बहुमूल्यानि प्रगुणीकृतानि। तथा पुस्तकानां लेखनाय लेखकानाञ्च वित्तं सञ्चितमास्ते। तत्सर्वथा कालोचितं कार्यम्।'

अथवा /or

अथ तस्य रात्रौ क्षेत्राणि पर्यटतः कदाचिच्छृगालेन सह मैत्री सञ्जाता। स च पीवरत्वाद् वृत्तिभङ्गं कृत्वा कर्कटिकाक्षेत्रे शृगालसहितः प्रविशति। एवं तौ यदृच्छया चिर्भटिकाभक्षणं कृत्वा प्रत्यहं प्रत्यूषे स्वस्थानं व्रजतः।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की **संस्कृत** में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 9

Explain any **one** of the following verses in Sanskrit:

अयं निजः परो वेत्ति गणना लघुचेतसाम् ।

उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

अथवा/or

कुदृष्टं कुपरिज्ञातं कुश्रुतं कुपरीक्षितम् ।

तन्नरेणनकर्तव्यं नापितेनाऽत्र यत्कृतम् ॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2 x 18 = 36

Answer any **two** of the following questions:

(i) कथाकाव्य साहित्य के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए।

Describe the origin and development of katha-kavya literature.

(ii) संस्कृत साहित्य में वर्णित लोक-कथा साहित्य पर लेख लिखिए।

Write an essay on the Loka- katha literature in Sanskrit literature.

(iii) सिंह कारकमूर्खब्राह्मण कथा का सार शिक्षासहित लिखिए।

Write the summary of *Simhakarakamurkhabrahman* Katha with its teachings.

(iv) लोभाविष्टचक्रधर कथा को अपने शब्दों में लिखिए। कथा से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?

Write the summary of *Lobhavishtachakradhara* Katha in your own words. What do we learn from the story?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2 × 4.5 = 9

Write short notes on any **two** of the following:

वृहत्कथा, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, कथासरित्सागर, बेतालपंचविंशतिका

(1500)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(36)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

L

Sr. No. of Question Paper : 2272

Unique Paper Code : 2022203601

Name of the Paper : BUDDHIST PSYCHOLOGY

Name of the Course : **B.A. (PROG) BUDDHIST STUDIES**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Four Questions in all.
3. Question No. 1 is compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र मिलते ही, सबसे ऊपर अपना रोल नंबर लिखें।
2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैंय परंतु पूरे प्रश्न-पत्र में एक ही माध्यम का प्रयोग किया जाना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics 30

(a) Anātmavād (b) Citta (Consciousness), (c) Kliṣṭamana (Defiled Consciousness), (d) Ālayavijñāna (Store-house Consciousness)

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:

(क) अनात्मवाद, (ख) चित, (ग) क्लिष्टमन, (घ) आलयविज्ञान

2. What is Buddhist Psychology? Discuss its relevance in the present time. 20

बौद्ध मनोविज्ञान क्या है, वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता का उल्लेख करें।

3. Discuss the Mind Management according to Buddhist Psychology. 20

बौद्ध मनोविज्ञान के अनुसार मन प्रबंधन पर चर्चा करें।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

4. Explain Cetasika in detail. 20
चेतसिक की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. Discuss the management of life according to Buddhist Psychology. 20
बौद्ध मनोविज्ञान के अनुसार जीवन के प्रबंधन पर चर्चा कीजिए।

6. What do you understand by Vijñāna in Buddhism? Give a detailed Account of the eight. 20
बौद्ध दर्शन में विज्ञान से आप क्या समझते हैं? चक्षुर्विज्ञान आदि आठों विज्ञानों का विस्तृत उल्लेख करें।

7. What is Vipssanā? Describe it in detail. 20
विपस्सना क्या है इसके विषय में विस्तृत उल्लेख करें।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(37)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

L

Sr. No. of Question Paper : 2305

Unique Paper Code : 2022203602

Name of the Paper : Buddhist Ethics

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies

Semester : VI

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on **any two** of the following topics : (30)

   (a) Sila

   (b) Friendliness

   (c) Equanimity

   (d) Karma

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(क) शील

(ख) मेत्ता

(ग) उपेक्षा

(घ) कर्म

2. What is meant by Brahmavihara? How can contemporary problems be resolved through its principles? (20)

ब्रह्मविहार से क्या अभिप्राय है? इसके द्वार वर्तमान समय की समस्यों का समाधान कैसे किया जा सकता है?

3. Discuss the concepts of Karma theory and Fatalism in Buddhism. (20)

बोद्ध कर्मवाद एवं नियतीवाद की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

4. Critically evaluate the relevance of Buddhist thought in the context of the modern environmental crisis. (20)

आधुनिक पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में बौद्ध धर्म के विचारों की प्रासंगिकताओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

5. Describe the entry of women into the Buddhist Sangha and their religious status. (20)

बौद्ध संघ में महिलाओं के प्रवेश एवं धार्मिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

6. Explain the concept of fatalism in Buddhism and discuss it in detail. (20)

बौद्ध धर्म में नियतीवाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए विस्तृत विवेचन कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(200)

38

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

L

Sr. No. of Question Paper : 2330

Unique Paper Code : 2132203602

Name of the Paper : Indian Aesthetics, DSC

Name of the Course : **B. A. (Prog.) with Sanskrit**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. at an appropriate place on receipt of this question paper.

2. Attempt any Five questions.

3. All questions carry equal marks.

4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. सौन्दर्यशास्त्र के विविध अवयवों एवं पर्यायपदों का विस्तृत विवेचन कीजिए।
Discuss in detail the elements and synonyms of Aesthetics.

2. साहित्यदर्पण के अनुसार रसानुभूति के स्वरूप पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the aesthetic experience according to *Sahityadarpan*.

3. भरतमुनि के अनुसार रस की संख्या कितनी है? किन्हीं तीन रसों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए
How many Rasas are there according to *Bharatamuni*? Write short note on any three of them.

4. मूर्तिकला और ललितकला सौन्दर्याभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम हैं - कथन की समीक्षा कीजिए।
Sculpture and Fine-arts are the best modes of expression of beauty - Critically examine the statement.

5. रसानुभूति काल में चित्त की चार अवस्थाओं के स्वरूप को लिखिए।
Write the nature of four mental stages during the aesthetic experience.

6. काव्यशास्त्र के किन्हीं पाँच प्रमुख विचारकों पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on any five prominent thinkers of Sanskrit Poetics.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो पर** संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short note on **any two** of the following:

अलंकार,	वक्रोक्ति,	सामाजिक,	विभाव
Alankar,	Vakrokti,	Samajik,	Vibhav

(500)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(39)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

L

Sr. No. of Question Paper : 2483

Unique Paper Code : 2023200001

Name of the Paper : Socially Engaged Buddhism

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Buddhist Studies, DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics (30)

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखेः

(a). What are the core principles of Buddhist Economics?

बौद्ध अर्थ शास्त्र के प्रमुख सिद्धांत क्या हैं?

(b). What is the Buddhist vision of social justice?

बौद्ध दृष्टि में सामाजिक न्याय क्या है?

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(c). What is the Buddhist view of gender justice?

बौद्ध दृष्टिकोण से लैंगिक न्याय क्या है?

(d). Evaluate the Role of ThichNhatHanh in Promoting Interfaith Dialogue and Global Peace.

अंतर्धार्मिक संवाद एवं वैश्विक शांति के प्रसार में थिचन्यातहान्ह की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

2. Discuss the concept of Socially Engaged Buddhism and elaborate on its core principles. 20

सामाजिक रूप से संलग्न बौद्ध की अवधारणा पर चर्चा कीजिए तथा इसके मूलसिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

3. Analyze the Buddhist approach to human rights and animal rights. 20

बौद्ध दृष्टिकोण से मानव-अधिकारों और पशु अधिकारों का विश्लेषण कीजिए।

4. Examine the role of Dalai Lama in promoting Socially Engaged Buddhism at the global level. 20

दलाई लामा की वैश्विक स्तर पर सामाजिक रूप से संलग्न बौद्ध धर्म के प्रसार में भूमिका का परीक्षण कीजिए।

5. Discuss the Buddhist perspective on environmental conservation. 20

पर्यावरण संरक्षण पर बौद्ध दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

6. Examine pluralism and interfaith dialogue in Buddhism. 20

बौद्ध धर्म में बहुलतावाद और अंतरधार्मिक संवाद का परीक्षण कीजिए।

7. Examine the Contribution of B. R. Ambedkar to Socially Engaged Buddhism. 20

सामाजिक रूप से संलग्न बौद्ध विचार धारा के विकास में डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान का परीक्षण कीजिए।

(200)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(40)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper	:	**2727**	**L**
Unique Paper Code	:	2133200022	
Name of the Paper	:	Basic Principles of Research Methodology, DSE	
Name of the Course	:	**B.A. (Prog.) Sanskrit, UGCF- NEP 2020**	
Semester	:	VI	

Duration : 3 Hours   Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश/Instructions for candidates:

a) इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.

b) इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत हिन्दी *अथवा* अंग्रेजी, किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Answers may be written in Sanskrit, Hindi *or* English, but the same medium should be used throughout the paper.

c) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Answer all questions.

1. अनुसंधान अभिकल्प' से क्या तात्पर्य है? एक अच्छा अनुसंधान अभिकल्प आँकड़ा संग्रह के दौरान त्रुटियों से बचने में कैसे सहायता करता है? 18
What is meant by 'Research Design'? How does a good research design help in avoiding errors during data collection?

अथवाO/r

संस्कृत पांडुलिपिविज्ञान से उदाहरण देते हुए प्राथमिक और द्वितीयक आँकड़ों में अंतर स्पष्ट कीजिए।
Differentiate between primary and secondary data with examples from Sanskrit manuscriptology.

2. शोध –कार्य की रुपरेखा बनाने की विधि का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए। एक अच्छी शोध रूपरेखा में क्या –क्या शामिल होना चाहिए? 18
Describe in detail the methodology for formulating a research outline. What elements should a good research outline include?

अथवाO/r

संस्कृत अनुसंधान हेतु ई-शोधसिंधु और मुक्तबोध डिजिटल लाइब्रेरी जैसे डिजिटल ई-संसाधनों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the reliability of digital E-Resources like e-ShodhSindhu and Muktabodha Digital Library for Sanskrit research..

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. अनुसंधान पद्धति में 'सर्वेक्षण' को परिभाषित कीजिए। संस्कृत दार्शनिक अनुसंधान हेतु सर्वेक्षण के प्रयोग के गुण और सीमाएँ क्या हैं। 18

Define 'Survey' in research methodology. What are the merits and limitations of using surveys for Sanskrit philosophical research?

अथवा/Or

उद्धरण क्या है? उदाहरण सहित पाठ्य उद्धरण और पाद-टिप्पणी/अंत-टिप्पणी शैलियों को समझाइए।

What is citation? Explain in-text citation and footnote/endnote styles with examples.

4. साहित्यिक चोरी को परिभाषित कीजिए और संस्कृत में शोध-प्रबंध लिखते समय साहित्यिक चोरी से बचने के चार उपाय सुझाइए। 18

Define plagiarism and suggest four methods to avoid plagiarism while writing a dissertation in Sanskrit.

अथवा/Or

शोध आचार नीति के मूल सिद्धांतों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

Describe the fundamental principles of research ethics, providing examples.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए 3×6=18

Write short notes on any **three** of the following:

(i) वर्णनात्मक शोध (Descriptive Research)

(ii) एपीए शैली (APA Style)

(iii) विश्लेषणात्मक शोध (Analytical Research)

(iv) IAST में लिप्यंतरित कीजिए: (Transliterate into IAST:)

"न कर्मणामनारम्भान्नैष्कर्म्यं पुरुषोऽश्नुते। न च संन्यसनादेव सिद्धिं समधिगच्छति।।"

(v) शोध उदेश्य (Research Objective)

(vi) IAST में लिप्यंतरित कीजिए: (Transliterate into IAST:)

"किं कर्म किमकर्मेति कवयोऽप्यत्र मोहिताः। तत्ते कर्म प्रवक्ष्यामि यज्ज्ञात्वा मोक्ष्यसेऽशुभात्।।"

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(200)

40.5

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 104 **L**

Unique Paper Code : 2132204801

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Translation

Name of the Course : **B.A. (Prog.) with Sanskrit – DSC**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3×18 = 54
Answer any three of the following questions:

   a. किन्हीं तीन के शब्दरूप लिखिए।
   Write the declensions (word forms) of any three of the following:
   राम, गुरु, आत्मन्, लता, नदी

   b. किन्हीं तीन के धातुरूप लट् लकार (वर्तमान काल) में लिखिए।
   Write the verb conjugations in Laṭ Lakāra (Present Tense) of any three of the following roots:
   पठ्,खाद्, लभ्, गम्, पा

   c. तृतीया, चतुर्थी और पंचमी उपपद-विभक्तियाँ के तीन-तीन उदाहरण लिखिए।
   Write three examples each of the Tṛtīyā (Instrumental), Chaturthī (Dative), and Pañcamī (Ablative) case usages with appropriate governing words (upapada-vibhaktis).

   d. 70 से 90 तक संस्कृत संख्यावाचक शब्द लिखिए।
   Write the Sanskrit numerals from 70 to 90.

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: $3\times6 = 18$
Answer any **three** of the following questions:

a. किन्हीं तीन कृत्-प्रत्ययों के तीन-तीन उदाहरण लिखिए।
Write **three** examples each of any three Kṛt (primary) suffixes from the following:
तव्य, अनीयर्, क्तवतु, तुमुन्, क्त्वा, क्तिन्

b. किन्हीं तीन तद्धित-प्रत्ययों के तीन-तीन उदाहरण लिखिए।
Write three examples each of any **three** Taddhita (secondary) suffixes from the following:
अण्, ढक्, तल्, छ, मयट्, इमनिच्

c. किन्हीं तीन अव्यय-पदों का वाक्यगत प्रयोग लिखिए।
Write the sentence usage of any **three** indeclinable words (Avyaya).

d. निम्न वाक्यों में प्रयुक्त कारकों की पहचान कीजिए।
Identify the case relations (kārakas) used in the following sentences.
a. रामः सीतया सह वनं गच्छति।
b. गुरवे नमः।
c. बालकः सिंहात् भयात् धावति।
d. जलात् ऋते जीवनं न सम्भवति।
e. वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
f. वृक्षाः अस्मभ्यं छायां ददति।

3. महाभारत के भारतीय भाषाओं में हुए अनुवादों का सर्वेक्षण लिखिए। 8
Write a survey of the translations of the Mahābhārata into Indian languages.

अथवा/Or

पञ्चतन्त्र के भारतीय भाषाओं में हुए अनुवादों का सर्वेक्षण कीजिए।
Survey the translations of the Pañcatantra in Indian languages.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का हिंदी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। $2\times5 = 10$
Translate any **five** of the following into Hindi or English.

i. विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
ii. उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
iii. शुष्कवृक्षाश्च मूर्खाश्च न नमन्ति कदाचन।
iv. व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।
v. यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
vi. उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।
vii. न शोभते सभा मध्ये हंसमध्ये बको यथा।

(1000)

(41)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No................

Sr. No. of Question Paper : 11086 **L**

Unique Paper Code	:	62136950
Name of the Paper	:	Computer Awareness for Sanskrit, SEC
Name of the Course	:	**B.A. (Programme)**
Semester	:	VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

विद्यार्थियों के लिये निर्देश / Instructions for Candidates:

1. इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना **अनुक्रमांक** लिखिये।
   Write your **Roll No.** on the top immediately on receipt of this question paper.
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये।
   Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
   All questions are compulsory.

1. इन्टरनेट के अनुप्रयोग क्या है? प्रत्येक का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 15
   What are the applications of internet? Give a brief description of each.

अथवा/Or

माइक्रोसॉफ्ट पावर पॉइन्ट (Microsoft PowerPoint) का सामान्य परिचय एवं इसके प्रकार्यों का वर्णन कीजिए।

Give the general introduction of Microsoft PowerPoint and its functions.

2. ई-मेल से क्या लाभ हैं? इसकी सीमाओं की व्याख्या कीजिए। 15
   What are the benefits of e-mail? Explain its limitations.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा/Or

इन्टरनेट पर महत्त्वपूर्ण सर्च इंजनों का वर्णन कीजिए।
Describe the important search engines on the Internet.

3. वेब पब्लिशिंग से आप क्या समझते हैं? विस्तार से इसका वर्णन कीजिए। 15
What do you understand by web publishing? Describe it in detail.

अथवा/Or

एच टी एम एल में टैग क्या होते हैं? किसी टैग का प्रारूप उदाहरण सहित समझाइये।
What are tags in HTML? Explain the format of a tag with an example.

4. जावास्क्रिप्ट के ऑपरेटरों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 15
Briefly describe the operators of JavaScript.

अथवा/Or

भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में पाठ संसाधन एवं संरक्षण उपकरणों (Text Processing and Preservation tools) का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए।

Give Survey of text processing and Preservation tools in reference to Indian languages?

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए: $2\times7.5=15$
Write short notes on **any two** of the following:

(i) सीएसएस का सामान्य परिचय दीजिए। Give a general introduction to CSS.

(ii) ASCII और UTF-8 में क्या अन्तर है। What is the difference between ASCII and UTF-8.

(iii) देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय। General introduction to Devanagari script.

(iv) डेटाबेस क्या है? What is database.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............
आपका अनुक्रमांक............

Sr. No. of Question Paper : 169 **L**

Unique Paper Code : 2133200019

Name of the Paper : Management in Sanskrit Tradition, DSE

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit, UGCF NEP 2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in Sanskrit,English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत,अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी प्रबंधन कितना उपयोगी है? विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए। 18

How useful is indigenous management for self-reliant India? Describe in detail.

2. भारतीय प्रबंधन सिद्धांतों और पश्चिमी प्रबंधन सिद्धांतों का तुलनात्मक वर्णन कीजिए। 18

Provide a comparative description of Indian management principles and Western management principles.

3. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में सतत प्रबंधन पद्धतियां कौन-कौन सी हैं ? विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए | 18

What are the sustainable management practices found in ancient Indian texts? Discuss in detail.

4. संस्कृत साहित्य में वार्ता हेतु कौन-कौन से मूलभूत कारक बतलाए गए हैं? विस्तार पूर्वक उल्लेख कीजिए। 18

What are the basic factors mentioned for dialogue in Sanskrit literature? Discuss in detail.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

5. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में सतत कार्य नैतिकता की विवेचना करें। 18

Discuss the sustainable work ethic in ancient Indian texts.

6. संस्कृत साहित्य में कर्मचारी संबंध और प्रेरणा को किस प्रकार रेखांकित किया गया है? वर्णन कीजिए। 18

How have employee relations and motivation been highlighted in Sanskrit literature? Describe.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 3×6=18

Write short notes on any **three** of the following.

(i) कराधान : Taxation

(ii) राजा : King

(iii) प्रबंधन : Management

(iv) कूटनीति : Diplomacy

(v) आर्थिक नीतियां : Economic Policies

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 9525 **L**

Unique Paper Code : 2133200018

Name of the Paper : Architectural System in Sanskrit, DSE

Name of the Course : **B.A(Programm), NEP-UGCF-2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

   इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. Attempt all Questions.

   सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. Answers may be written either in Hindi or in English but the same medium should be followed throughout the paper.

   इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. 'वास्तु रत्नाकर' ग्रन्थ के 'भूपरिग्रह प्रकरण' के आधार पर गृहस्थाश्रम की प्रशंसा एवं उसके महत्व पर एक विस्तृत लेख लिखिए। 18

   Write a detailed essay on the praise and importance of 'Grihasthashrama' based on the 'Bhuparigraha Prakarana' of the text 'Vastu Ratnakara'.

   अथवा/ Or

   आचार्य वराहमिहिर के अनुसार 'वास्तुपुरुष' के स्वरूप एवं उसकी दार्शनिक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

   Clarify the form and philosophical concept of 'Vastu Purusha' (Cosmic Man) according to Acharya Varahamihira.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. निर्माण शैली के आधार पर 'सर्वतोभद्र' और 'नन्द्यावर्त' वास्तु के प्रमुख लक्षणों एवं स्थापत्य में उनके फलों का विवेचन कीजिए । 18

Discuss the main characteristics and architectural results of 'Sarvatobhadra' and 'Nandyavarta' Vastu based on the construction style.

अथवा /Or

बृहद्वास्तुमाला के 'भूमि-प्लवन' (Slope of land) के आधार पर 'पितामह-वास्तु' और 'सुपथ-वास्तु' की विशेषताओं को समझाइए ।

Explain the features of 'Pitamaha-Vastu' and 'Supatha-Vastu' based on 'Bhumi-Plavana' (Slope of land) from the Brihatvastumala.

3. 'बृहत्संहिता' के अनुसार निर्माण के आधार पर 'वर्धमान' और 'स्वस्तिक' वास्तु के लक्षणों एवं उनके विशिष्ट फलों का वर्णन कीजिए । 18

Describe the characteristics and specific results of 'Vardhamana' and 'Swastika' Vastu based on construction according to Brihatsamhita.

अथवा /Or

बृहद्वास्तुमाला के आधार पर 'दीर्घायु-वास्तु', 'पुण्यक-वास्तु' और 'अपथ-वास्तु' के लक्षणों एवं प्रभावों की तुलनात्मक विवेचना कीजिए ।

Give a comparative analysis of the characteristics and effects of 'Dirghayu-Vastu', 'Punyaka-Vastu', and 'Apatha-Vastu' based on Brihatvastumala.

4. वीथियों के वर्गीकरण में 'भूतवीथी' और 'वैश्वानरी वीथी' के विशिष्ट लक्षणों का उल्लेख करते हुए उनके स्थापत्य प्रभावों की व्याख्या कीजिए । 18

Explain the architectural impacts of 'Bhutavithi' and 'Vaishvanari Vithi' while mentioning their specific characteristics in the classification of Vithis.

अथवा /Or

बृहत्संहिता के अनुसार गृह-निर्माण के पूर्व किए जाने वाले 'शकुन विचार' और 'प्रथम विधान' (भूमि-पूजन) के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the importance of 'Shakuna Vichara' and 'Prathama Vidhana' (Bhumipuja) before starting home construction according to Brihatsamhita.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर विस्तृत टिप्पणियाँ लिखिए: 3×6=18

Write detailed notes on any **three** of the following:

(i) दिक्-ज्ञान एवं दिशा निर्धारण की विधि (Orientation and method of direction determination)

(ii) शिल्पन्यास विधि (Shilpnyasa Vidhi)

(iii) गृहविभाग एवं द्वार-सज्जा के नियम (Rules of Grihavibhaga and Door Decoration)

(iv) निषिद्ध लेखाकर्म एवं निषिद्ध काष्ठकर्म (Nishiddha Lekhakarma and Nishiddha Kashthakarma)

(v) स्तम्भ-स्थापना के नियम (Rules of Stambha-sthapana)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(43)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 9529 **L**

Unique Paper Code : 2133200018

Name of the Paper : Architectural System in Sanskrit, DSE

Name of the Course : **B.A(Programm), NEP-UGCF-2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. Write your Roll No- on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. Attempt all Questions.

   सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. Answers may be written either in Hindi or in English but the same medium should be followed throughout the paper.

   इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. पञ्च महाभूत क्या हैं? भोजसमरांगणसूत्रधार के आधार पर इनकी उत्पत्ति का वर्णन कीजिए। 18
   What are the Pancha Mahabhutas (Five Great Elements)? Describe their origin based on the Bhojasamaranganasutradhara

   अथवा/Or

   वर्णाश्रम व्यवस्था में गृहस्थ आश्रम का क्या महत्त्व है? वास्तुरत्नाकरभूपरिग्रहकरण के आधार पर विस्तृत वर्णन कीजिए
   What is the significance of the Grihastha Ashram (Householder Stage) within the Varnashrama system? Provide a detailed explanation based on the Vasturatnakara Bhuparigraha Karana

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. बृहत्संहिता के वस्तुविद्याध्याय (श्लोक 31-38) में वर्णित निर्माण के आधार पर वास्तु के वर्गीकरण का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए। 18
Discuss in detail the classification of Vastu based on construction as described in Vastuvidyadhyaya (verses 31-38) of Brihatsamhita.

अथवा/Or

बृहत्संहिता के वस्तुविद्याध्याय के आधार पर "वास्तुपुरुष' के स्वरुप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए
Describe in detail the nature of the 'Vastu Purusha,' based on the Vastuvidyadhyaya of the Brihat Samhita.

3. प्राचीन भारतीय वास्तुशास्त्र में भूमि चयन एवं परिक्षण की प्रक्रिया का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।18
Describe in detail the process of land selection and testing in ancient Indian architecture.

अथवा/Or

प्राचीन भारतीय वस्तुशास्त्र में भूमि के प्रकारों का विस्तृत वर्णन कीजिए
Provide a detailed description of the various types of land in ancient Indian Vastu Shastra.

4. बृहद्वास्तुमाला के अनुसार गृहविभाग, दिग्ज्ञान, द्वारनिर्माण, द्वारसज्जा एवं द्वारनिर्णय का विस्तारपूर्वक वर्णन कीज़िए। 18
Describe in detail the division of houses, directions, door construction, door decoration and door decision according to Brihadvastumala.

अथवा/Or

प्राचीन भारतीय वास्तुशास्त्र में गृह निर्माण के प्रारंभिक चरणों पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the initial stages of house construction in ancient Indian architecture.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए: 3×6=18
Write short notes on any **three** of the following:

(क) निर्माण के आधार पर वास्तु के सात प्रकार
Seven Types of Vastu Based on Construction

(ख) भूमि के प्रकार : Types of Land

(ग) पितामहवास्तु : Pitamahvastu

(घ) पुण्यकवास्तु : Punyakavastu

(ङ) भूमि संसोधन : Land Reforms

(200)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Your Roll No ....

Sr. No. of Question Paper : 9559

Unique Paper code : 2023200009

Name of the Paper : Buddhist Tradition and Science

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies/ DSE

Semester : VIII

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instruction for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Four Questions in all.
3. Question No. 1 is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

a. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
b. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें।
c. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
d. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics (15X2=30)

(a) Buddhist Ethics (b) Citta (c) Dependent Origination (d) Mindfulness

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखेः

(क) बौद्ध नैतिकता (ख) चित्त, (ग) प्रतीत्यसमुत्पाद, (घ) स्मृतिप्रस्थान

2. Explain perception (Pratyakṣa) and inference (Anumāna) as means of knowledge in Buddhist philosophy.

   बौद्ध दर्शन में प्रत्यक्ष तथा अनुमान प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।

3. What are mental factors (caitasika)? Explain their classification in detail.

   चैतसिक किसे कहते है? तथा इसकी वर्गीकरण की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. According to Buddhist philosophy, what are saññā (perception), viññāṇa (consciousness), and paññā (wisdom)? Explain their functions
   बौद्ध दर्शन के अनुसार संज्ञा, विज्ञान एवं प्रज्ञा किसे कहते हैं? इनके कार्यों को स्पष्ट कीजिए।

5. Describe the various stages of meditation in Buddhist philosophy and their psychological significance.

   बौद्ध दर्शन में ध्यान की विभिन्न अवस्थाओं तथा उनके मनोवैज्ञानिक महत्व का वर्णन कीजिए।

6. Discuss the development of scientific and logical approaches in Buddhist philosophy.
   बौद्ध दर्शन में वैज्ञानिक एवं तार्किक दृष्टिकोण के विकास का विवेचन कीजिए।

7. What are the main similarities between Buddhist psychology and modern cognitive science? Discuss.

   बौद्ध मनोविज्ञान और आधुनिक संज्ञानात्मक विज्ञान के बीच मुख्य समानताएँ क्या हैं? चर्चा कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Your Roll No ....

Sr. No. of Question Paper : 9566

Unique Paper code : 2023200011

Name of the Paper : Buddhist Ecology

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies/DSE

Semester : VIII

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instruction for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Four Questions in all.
3. Question No. 1 is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

a. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
b. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें।
c. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
d. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics (15X2=30)

(a) Non-harm (b) Noble Eightfold Path, (c) Mindfulness (d) Buddhist Ecology

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:

(क) अहिंसा (ख) आर्य-अष्टांगिक-मार्ग (ग) स्मृति-प्रस्थान (घ) बौद्ध पारिस्थितिकी

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. Explain the concept of interdependence in Buddhist philosophy from an environmental perspective.

बौद्ध दर्शन में परस्पर निर्भरता की अवधारणा को पर्यावरणीय दृष्टिकोण से समझाइए। (20)

3. Describe the Buddhist philosophical perspective on environmental conservation.

बौद्ध दर्शन में प्रकृति संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए। (20)

4. Explain the ideas related to environmental conservation found in the Jātaka tales.

जातक कथाओं में प्राप्त पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विचारों को स्पष्ट कीजिए। (20)

5. Analyze the relationship between nature and humans in Buddhist literature from an ecological perspective.

बौद्ध साहित्य में प्रकृति और मानव के सम्बन्ध का पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से विश्लेषण कीजिए। (20)

6. How does the Engaged Buddhism movement promote environmental awareness? Discuss.

एंगेज्ड बुद्धिज्म आंदोलन किस प्रकार पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देता है? विवेचन कीजिए। (20)

7. Explain the ideas related to environmental conservation in the thought of modern Buddhist scholars.

आधुनिक बौद्ध विद्वानों के चिंतन में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विचारों को स्पष्ट कीजिए। (20)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(46)

Your Roll No ....

Sr. No. of Question Paper : 9567

Unique Paper code : 2023200011

Name of the Paper : Buddhist Ecology

Name of tne Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies/DSE

Semester : VIII

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instruction for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Four Questions in all.
3. Question No. 1 is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

a. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
b. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें।
c. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
d. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics (15X2=30)

(a) Compassion (b) Noble Eightfold Path, (c) S. N. Goenka (d) Buddhist Ecology

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखेः

(क) करुणा (ख) आर्य-अष्टांगिक-मार्ग (ग) सत्य नारायण गोयंका (घ) बौद्ध पारिस्थितिकी

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. How does the principle of Pratītyasamutpāda correspond with modern ecology? Explain clearly. (20)

   प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धांत आधुनिक पारिस्थितिकी से किस प्रकार मेल खाता है? चर्चा कीजिए।

3. How can Buddhist principles be useful in solving modern environmental problems? Discuss. (20)

   बौद्ध सिद्धान्त आधुनिक पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान में कैसे उपयोगी हो सकता है? चर्चा कीजिए।

4. Explain the ideas related to environmental conservation found in the Jātaka tales.

   जातक कथाओं में प्राप्त पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विचारों को स्पष्ट कीजिए। (20)

5. Analyze the relationship between nature and humans in Buddhist literature from an ecological perspective.

   बौद्ध साहित्य में प्रकृति और मानव के सम्बन्ध का पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से विश्लेषण कीजिए। (20)

6. How does Engaged Buddhism influence global environmental movements? Discuss.

   एंगेज्ड बुद्धिज्म वैश्विक पर्यावरणीय आंदोलनों को किस प्रकार प्रभावित करता है? चर्चा कीजिए। (20)

7. How can environmental balance be maintained through the observance of Buddhist ethical precepts? Discuss.

   बौद्ध नैतिक उपदेशों के पालन से पर्यावरणीय संतुलन कैसे बनाए रखा जा सकता है?चर्चा कीजिए। (20)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Your Roll No ....

Sr. No. of Question Paper : 9572

Unique Paper code : 20232000012

Name of the Paper : Influence of Buddhist thought on Indian Thinkers

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies/DSE

Semester : VIII

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instruction for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Four Questions in all.
3. Question No. 1 is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

a. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
b. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें।
c. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।
d. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write a short note on any two of the following topics (15X2=30)

(a) Mahatma Gandhi (b) Buddha (c) Nagarjuna (d) Acharya Vinoba Bhave

निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:

(क) महात्मा गांधी (ख) बुद्ध (ग) नागार्जुन, (घ) आचार्य विनोवा भावे

2. According to Buddhist philosophy, how do compassion, non-violence, and interdependence contribute to the creation of an ideal society? Discuss.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

बौद्ध दर्शन के अनुसार करुणा, अहिंसा और परस्पर निर्भरता एक आदर्श समाज के निर्माण में कैसे योगदान देते हैं? चर्चा कीजिए।

3. Why is Dr. B. R. Ambedkar's conversion to Buddhism considered a historic event for Indian society? Discuss.

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का बौद्ध धर्म ग्रहण भारतीय समाज के लिए क्यों ऐतिहासिक माना जाता है? चर्चा कीजिए।

4. What is the place of Buddhism in Dr. Radhakrishnan's philosophical outlook? Discuss.

डॉ. राधाकृष्णन के दार्शनिक दृष्टिकोण में बौद्ध धर्म का स्थान क्या है? चर्चा कीजिए।

5. Does Buddhist philosophy provide a moral foundation to Gandhi's ideas? Discuss.

क्या बौद्ध दर्शन गांधीजी के विचारों को एक नैतिक आधार प्रदान करता है? चर्चा कीजिए।

6. How did Buddhist ethics influence the ideas of modern reform movements? Describe.

बौद्ध नैतिकता ने आधुनिक सुधारवादी आंदोलनों के विचारों को कैसे प्रभावित किया? वर्णन कीजिए।

7. What are the similarities between Buddha's compassion and Vivekananda's spirit of service? Discuss.

बुद्ध की करुणा और विवेकानंद की सेवा भावना में क्या समानताएँ हैं? चर्चा कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY